मूल्य-20

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

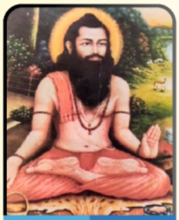

अंगिराऽसि जंगिडः

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

श्री विश्वकर्मणे नमः

वर्ष:117, अंक:05, मई - 2024 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

POSTED UNDER LICENCE U(DN)-39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

जयपुर में 5 मई को राजस्थान प्रदेश सभा की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जांगिड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा स्थापित, शिक्षा कल्याण कोष में सहयोग राशि देने लिए क्यूआर कोड का प्रयोग करें।

चिड़ी चोंच भर लें गई नदी घट्यो ना नीर।
दान दिए धन ना घटे,कह गए सन्त कबीर।।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रथम प्रेरक

पं. बाबू गोरधनदास जी शर्मा, मथुरा   डॉ. इन्द्रमणि जी शर्मा, लखनऊ   पं. पालाराम जी शर्मा, रायपुरखल-पंजाब

पत्र के जन्मदाता

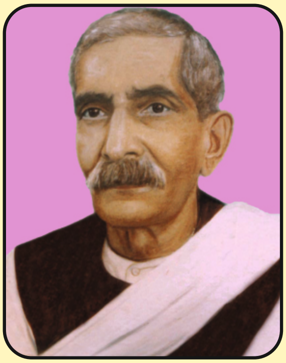

समाज के महापुरुष

महासभा भवनदानकर्ता, दिल्ली

पं. डालचन्द जी शर्मा, जहाँगीराबाद-उ.प्र.   गुरूदेव पं. जयकृष्णजी मणीठिया, दिल्ली   स्व. श्रीमती सुन्दरदेवी, दिल्ली

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

With its existence over three and half decades,we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

Our Management Team

Rampal Sharma

Deepak Sharma

Jagmohan Sharma

Amith Sharma

OUR STRENGTHS

- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE

- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE

- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Some of our Valuable Clients

Flying Machine, U.S. Polo Assn., Aéropostale, Arrow, Louis Philippe, Peter England, Nautica, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, Van Heusen, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, Tanishq, Taneira, TITAN, Helios, fastrack, Titan Eyeplus, Mia, Melorra, Centro, Birkenstock, Third Wave Coffee, Swayamvar, Shoppers Stop, Bluestone, SBeauty, Swish, Tasva, Manyavar

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

कैमरे की नजर में जयपुर में 5 मई को राजस्थान प्रदेश सभा की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

"जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका" के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 011-42420443, 011-42470443

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा "जांगिड" - 09844026161

महामंत्री-पं.सांवरमल "जांगिड" - 09414003411

सम्पादक-प.रामभगत शर्मा "जांगिड" - 09814681741

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0000631)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, एसएमई टाऊन हॉल, चांदनी चौक, दिल्ली-06) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम "अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा" अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

गजेन्द्र जांगिड
सह-कोषाध्यक्ष महासभा, 9811482174

सत्यनारायण जांगिड
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810075654

।। ॐ भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

04. जयपुर में 5 मई शपथ ग्रहण स0..
07. सम्पादकीय..
09. प्रधान की कलम से..
11. महासभा की त्रैमासिक मीटिंग....
12. राजस्थान प्रदेशसभा की कार्य0..
15. प्राइड ऑफ राजस्थान भंवरलाल कु0
19. गजानन्द जांगिड राज0प्र0सभा कार्य0.
20. 12 मई विश्वकर्मावंश के कुल गौरव
21. पोकरण के विधायक का दुबई में..
22. राष्ट्रीय उदघोषक त्रिलोक सुथार....
23. मनीष जांगिड ने फैलोशिप टेस्ट....
24. कविता जांगिड को वाणिज्य में..
25. पाली राजस्थान के आशुतोष जांगिड.
26. अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस..
27. जमशेदपुर की स्वाति शर्मा 17वीं रैंक
28. भगवान बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक..
29. रौनक जांगिड केन्द्रीय माध्यमिक...
30. पंचकुला की रहने वाल इशिता जा0.
31. तनिषा जांगिड ने नेशनल ओपन हंट
32. पैसे से नहीं अपितु उच्च संस्कारों..
33. महिला शक्ति का विश्व में योगदान
35. भगवान श्री विश्वकर्मा प्राण प्रतिष्ठा.
37. महासभा की मीटिंग सीकर में..
38. हरि0 में नवनिर्वाचित जिलाध्यक्षों का.
40. मनुष्य के लिए जीवन में धन, मान.
42. परोपकार (पर सेवा)
43. समाज की प्रगति..
44. कुलदीप जांगिड, 5 मई को...
46. एक लाख रूपये के प्लेटिनम सद0
50. इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण स0.
50. पच्चीस हजार रूपये रजत सदस्य..
51. मुंडकाभवन के दानदताओं की सूची..
60. वैवाहिक विज्ञापन
61. सामूहिक विवाह की चित्रावली,करौली

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्वानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे हैं। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

जीवन में सफलता हासिल करने का मूल मंत्र है
असफलता को हृदय से स्वीकार करने के साथ ही नई योजना क्रियान्वित करें।

मानव जीवन में कदम-कदम पर अनेक चुनौतियां मुंह बाए सामने खड़ी हैं और कई बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं कि आपको, अपना निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के लिए कठोर परिश्रम करने के बावजूद भी आशातीत सफलता हासिल नहीं होती है और उसे बार-बार असफलताओं का सामना करना पड़ता है और इस घोर निराशा के समय में हर समय उसके मन और अन्तःकरण में एक ही विचार कौंधता रहता है कि, **मैं इस काम को करने में सक्षम नहीं हूं और ऐसे नकारात्मक विचारों के प्रभाव के वशीभूत होकर वह अपनी नैतिक हार मान लेता है और वह निराशा के गर्त में डूबता चला जाता है और वह हिम्मत हार जाता है तथा अपने भाग्य को कोसने लगता है कि मैं एक कमजोर इंसान हूं।**

जीवन में इस प्रकार की निराशा और निर्बल मानसिकता तभी विकसित होती है, जिस समय एक व्यक्ति अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए तथा सफलता हासिल करने के लिए कोई ठोस योजना की परिकल्पना नहीं कर सकता है और ऐसे समय में एक मनुष्य के मन में निराशाजनक विचारों की उत्पत्ति होती है और वह अपने ही आत्म सम्मान, आत्मबल, उत्साह और उमंग तथा असीम ऊर्जा का क्षरण करता है और धीरे-धीरे वह मानसिक अवसाद के अंधेरे में हिचकोले खाने लगता है और इसका दुष्परिणाम बड़ा ही भयावह होता है । **इसलिए जीवन में सफलता हासिल करने का एक ही मूल मंत्र है कि जिस समय इस प्रकार की विषम परिस्थितियां पैदा हो जाएं तो कभी भी अपने उपर अपराध बोध और आत्म ग्लानि को हावी न होने दें।**

इस प्रकार की ऊहापोह की परिस्थिति पैदा होने पर असफलता की छाया को भी मन में न आने दें और अपने संकल्प को पूरा करने के लिए पुनः नए सिरे से प्रयास करें। इसीलिए कहा गया है कि ---

करत-2 अभ्यास के जड़मति होत सुजान। रस्सी आवत जावत सिर पर परत निशान।।

यह दोहा उन लोगो पर सटीक बैठता है जो अपनी असफलता से निराश हो कर अपना रास्ता बदल लेते हैं और मेरा उन युवाओं से केवल एक ही आग्रह और सुझाव है कि अपनी योजना को मूर्त रूप देने से पहले उस पर गहनता से विचार करें और जिस समय आपको **असफल होने के बावजूद पुनः आत्मविश्वास हो जायेगा तो यह समझ लेना कि सफलता एक दिन अवश्य ही आपके कदम चूमेगी। मैं एक ऐसे महानुभाव को जानता हूं, जिसने भारतीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षा अपने 7वें और आखिरी प्रयास में पास की थी और उसकी सफलता का रहस्य यही था कि वह अपने लक्ष्य से कभी भी विचलित नहीं हुआ और यह कभी नहीं सोचा कि इस बारे में दुनिया क्या कहेगी, इसकी परवाह किए बिना वह निरन्तर अपने लक्ष्य की और अग्रसर रहा और प्रयास जारी रखे और अन्त में सफलता का वरण किया।**

इसलिए जीवन में आशातीत सफलता पाने के लिए सफलता की योजना पर नए सिरे से विचार करते हुए पुनः प्रयास करना चाहिए। असफलता मिलने पर लोगों के मन में एक प्रश्न अक्सर कौंधता रहता है कि और मन में निरन्तर यह जिज्ञासा प्रबल बनी रहती है कि लगातार दो-तीन बार असफल होने पर भी, वह कौन-सा मूल मंत्र या सर्वमान्य सिद्धांत है कि जिसके आत्मसात करने से सफलता की शत-प्रतिशत गारंटी है । लेकिन सफलता पाने के लिए और पुनः प्रयास शुरू करने से पहले अपनी असफलता को निःसंदेह रुप से स्वीकार करना होगा और आत्मचिंतन और गहन मंथन के पश्चात ही सभी कमियों को ध्यान में रखते हुए पुनः प्रयास शुरू करने की जरूरत है और यह संकल्पना उसे अपना संकल्प पूरा करने के लिए सिद्धि तक पहुंचाने में अहम भूमिका अदा करेगी।

सफलता पाने के लिए धैर्य बनाए रखना सबसे जरूरी है। क्योंकि असफलता ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। लेकिन इसके लिए धैर्य और संयम बनाए रखना बहुत ही जरूरी है। सफलता हासिल करने के लिए संयम से काम लेते हुए और अपनी असफलताओं का गहराई से मंथन करें और अपने भीतर परिव्याप्त प्रबल और प्रगाढ़ क्षमताओं को पहचानने का प्रयास करें और इस मूल मंत्र को आत्मसात करने से निश्चित रूप से हर असफलता को सफलता में बदलना आसान हो जाएगा। यह देखा गया है कि कई बार एक व्यक्ति अपनी अपार क्षमताओं को पहचानने में असमर्थ रहता है और **यही कारण है कि वह अपना लक्ष्य हासिल करने में असफल होता रहता है और**

वह नाहक ही निराशा के गर्त में डूब जाता है और इसी कारण उसके चारों तरफ असफलता और निराशा का नकारात्मक वातावरण भी निर्मित हो जाता है जिसके वशीभूत होकर प्रचुर मनोबल से भरपूर व्यक्ति भी असफल होने का संशय अपने मन में पाल ही बैठता है।

जो साधक सफलता के सम्बन्ध में यह भ्रम पाल लेता है कि सफलता मिलने से मुझे अपार खुशी मिलेगी तो यही भ्रम उस व्यक्ति के अन्तःकरण में असफलता के प्रति भय उत्पन्न करता है और असफलता हमें एक प्राणघातक शत्रु के रूप में दिखाई देने लगती है। लेकिन मेरा मानना है कि जब तक हम असफलता के प्रति अपना नकारात्मक दृष्टिकोण नहीं बदलेंगे, तब तक असफल होने का निरन्तर भय बना रहेगा और यही संशय और भय सफलता को हमारे पास फटकने भी नहीं देगा। लेकिन यह बात निर्विवाद रूप से सत्य है कि असफलता सदैव एक शिक्षक के रूप में आकर हमें एक नया अनुभव और नई सीख देकर जाती है। असफलता एक प्रकार का ईनाम है जो सफलता से हमारा परिचय कराने के निमित्त बनता है और **एक प्रकार से कहा जा सकता है कि असफलता ही सफलता की मुख्य आधारशिला है। जिस प्रकार एक भवन की आधारशिला या नींव जितनी शक्तिशाली होती है वह भवन उतना ही मजबूत और सुदृढ़ होगा। उसी प्रकार असफलताओं से प्राप्त अनुभवों के आधार पर किए गए पुनः प्रयास करने से जो भी सफलता प्राप्त होती है तो वह चिरस्थाई रहती है।**

इसलिए यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि **मनुष्य की भावनाओं और विचारों के आधार पर ही सफलता अथवा असफलता का निर्धारण होता है। इसलिए यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि अपनी सफलता व असफलता के लिए एक मनुष्य काफी हद तक वह स्वयं ही उत्तरदाई और जिम्मेदार हैं इसमें कोई भी अतिशयोक्ति नहीं है।**

इसलिए यह परमावश्यक है कि सफलता के प्रति अपने विचारों और भावनाओं की गुणवत्ता को सकारात्मक रूप से विकसित करने के साथ ही अपने अन्तःकरण की आवाज पर आत्मचिन्तन करते हुए आगे बढ़ने का हर संभव प्रयास करें और इससे आपको यह अहसास होगा कि सफलता हासिल करना आपका मौलिक अधिकार है और जिसे हासिल करने के लिए आपका अन्तःकरण सम्पूर्ण रूप से स्वतन्त्र हैं । जीवन में जिस समय आपके अन्तर्मन में इस प्रकार की अनुभूति, उमंग, उत्साह और प्रसन्नता का संचार होगा और वह शक्ति असीम ऊर्जा बनकर आपके लिए सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगी। **इसलिए कहा गया है कि असफलता के भय से मुक्त होने के लिए मन में उमंग, उत्साह और प्रसन्नता को अपने अन्दर फलने-फूलने का भरपूर अवसर दिया जाना चाहिए। एक असफल साधक की प्रतिक्रिया, परिस्थितियों और लोगों के प्रति दोषारोपण करने वाली होंगी तो उसका दुष्प्रभाव उसके द्वारा किए जा रहे भावी प्रयासों पर भी अवश्य ही नकारात्मक असर डाल सकता है।**

जीवन का यह एक मूल सिद्धांत है कि जब एक व्यक्ति अपनी हार स्वीकार कर लेता है तो है तभी आप असफल कहलाते हैं। **यदि आप सफलता की योजना का निर्माण कर पुनः प्रयास करने के लिए स्वयं को तैयार रखते हैं, तो निश्चित रूप से सफलता भी आपके प्रयासों के पथ पर किसी ना किसी मोड़ पर प्रतीक्षा करती हुई मिल ही जाएगी। लेकिन इस बात की सावधानी अवश्य रखें कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए आपके द्वारा किए गए प्रयास और अथक मेहनत तथा परिश्रम का आपके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर कोई विपरीत असर ना पड़े, तभी वह सफलता आपके लिए महत्वपूर्ण होगी अन्यथा उस सफलता का आपके जीवन में कोई महत्व ही नहीं रह जायेगा।**

इसलिए सफलता प्राप्त करने के लिए हम अपना लक्ष्य निर्धारित करने के साथ ही अपनी गलतियों की पहचानकर के उन पर पूरा ध्यान केंद्रित करें ताकि वह गलती दोबारा ना दोहराई जा सके। इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि सोच समझकर अपना लक्ष्य निर्धारित करें और उसके अनुरूप ही सफलता की योजना बनाएं और उस योजना पर अमल करते हुए और सफलता की ओर अपने कदम बढ़ाने से जहां पर अपना लक्ष्य प्राप्त हो सकेगा वहीं सफलता भी आपके कदम चूमेगी, ऐसा मेरा दृढ़ आत्मविश्वास है।

सम्पादक रामभगत शर्मा।

प्रधान की कलम से---

मिशन डेढ़ लाख सदस्य पूरा करने के जिम्मेदारी का निर्वहन सत्य निष्ठा पूर्वक तरीके से करे।

प्रधान रामपाल शर्मा

सबसे पहले मैं महासभा रुपी परिवार की तरफ से भारतीय प्रशासनिक सेवा वर्ष 2023 में अखिल भारतीय स्तर पर देश में 17 वां रैंक हासिल करने वाली जमशेदपुर की रहने वाली स्वाति शर्मा को और भवानी मण्डी, राजस्थान के रहने वाले पवन कुमार सुथार को भी बधाई देता हूं, जिन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास करके 816 वां रैंक हासिल किया है और उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इनके पिता रामेश्वर सुथार भवानी मण्डी में कारीगर का काम करते हैं। चार साल पहले रेवाड़ी की अंजलि शर्मा आई ए एस बनी थी और अब देश की सबसे प्रतिष्ठित भारतीय प्रशासनिक सेवा में स्वाति शर्मा आई ए एस अफसर बनेगी क्योंकि, पवन सुथार का रैंक काफी पीछे है। आई ए एस जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में समाज की भागीदारी अधिक नहीं बढ़ पाई है। पिछले साल भी हरियाणा के दो युवा, आयकर विभाग के प्रधान आयुक्त डॉ. नरेंद्र शर्मा के सुपुत्र प्रशांत शर्मा और बहादुरगढ़ की रहने वाली साक्षी शर्मा का चयन आयकर विभाग में सहायक आयुक्त के पद पर हुआ था।

इस बारे में मेरी मनस्कामना है कि समाज के युवा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतिष्ठित सिविल सर्विस परीक्षा की तरफ और अधिक ध्यान देने की आज समय की मांग है। क्योंकि मैं मानता हूं कि समाज के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन आज इस प्रतिभा का उपयोग किस प्रकार से किया जाए इसकी पहचान करके और समाज द्वारा एक कार्य योजना तैयार करके उस पर गम्भीरतापूर्वक विचार करने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि महासभा का मुण्डका भवन तैयार होने के पश्चात समाज के गरीब और प्रतिभावान युवाओं को एक प्लेटफार्म मिलेगा, जिस का लाभ उठाकर वह अपने जीवन के सपनों को मूर्त रूप देने में सक्षम हो सकते हैं। महासभा के मुण्डका भवन के निर्माण पर वर्तमान कार्यकारिणी के समय में जनवरी 2022 से मई 2024 तक 24167188 रुपए की राशि खर्च की गई है ।

मुंडका भवन की दो मंजिल अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर हैं । मैंने पिछले महीने तीन दिन तक महासभा के निर्माणाधीन इस भवन में बन रही और उपलब्ध करवाई जा रही एक-एक सुविधा का बड़ी संजीदगी और बारिकी से आकलन किया था और इसका काम बड़े ही सन्तोषप्रद ढंग से चल रहा है। इसके साथ ही मैं समाज के उन भामाशाहों से भी अपील करना चाहता हूं कि, जिन्होंने महासभा के मुण्डका भवन के निर्माण के लिए अपनी घोषित की हुई राशि अभी तक किसी कारणवश जमा नहीं करवाई है तो उस घोषित राशि को महासभा के खाते में जमा करवाने का कष्ट करें क्योंकि आपके द्वारा दिया गये एक एक पैसे का उपयोग समाज हित में किया जायेगा। आपका और हमारा यह सहयोग इस ऐतिहासिक भवन के निर्माण तक ही सीमित नहीं है अपितु आपका दिया हुआ एक-एक पैसा समाज के उन होनहार बच्चों के भविष्य को संवारने और संरक्षित करने में अमूल्य योगदान देगा और इस परोपकार की भावना को सदैव ही इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। इसलिए जहां तक संभव हो सके एक रुपए से लेकर हजार और लाख रुपए तक अपनी श्रद्धा और आर्थिक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए इस भवन निर्माण के लिए दिए जा सकते हैं और आपका योगदान उन युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में अपना अमूल्य योगदान देगा। जिस प्रकार से

रामसेतु निर्माण में गिलहरी ने कहा था कि जब भी इतिहास लिखा जाएगा इसमें गिलहरी का नाम भी लिखा जाएगा। इसलिए दान देने का ढिंढोरा ना पीट कर जो भी संभव हो, एयरकंडीशनर, फर्नीचर या अन्य उपयोगी वस्तु दान स्वरूप दी जा सकती हैं।

महासभा के सामने एक ज्वलंत प्रश्न है कि इस महासभा रुपी परिवार की संख्या को कैसे बढ़ाया जाए। वर्तमान कार्यकारिणी ने मिशन डेढ़ लाख सदस्य अभियान शुरू किया हुआ है और महासभा की कार्यकारिणी की 26 जून 2022 को मेरठ में हुई त्रैमासिक मीटिंग में सर्वसम्मति से, महासभा के सदस्यों की संख्या बढ़ाने के लिए एक अति महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया था और कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को सदस्य संख्या बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया था और इस निर्णय के अनुसार महासभा परिवार में नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था ताकि मिशन डेढ़ लाख जल्दी से जल्दी पूरा किया जा सके। इस निर्णय के अनुसार उपप्रधान को 50 सदस्य, संगठन मंत्री को 35 सदस्य और प्रचार मंत्री को 25 नए सदस्य प्रतिवर्ष बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था । मैं महासभा कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों से विनम्र निवेदन करता हूं कि आप महासभा परिवार में नए सदस्य बनाने के अपने निर्धारित लक्ष्य को अविलम्ब पूर्ण करते हुए प्रगति रिपोर्ट एवं नए बनाए गए सदस्यों की सूची सहित मुझे और इसके राष्ट्रीय प्रभारी मिशन डेढ़ लाख रामजी लाल जांगिड को व्हाट्सएप पर भेजने की अनुकम्पा करें ताकि इसके बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके अगले महीने 23 जून को सीकर में आयोजित होने वाली महासभा की त्रैमासिक बैठक में इस सदस्यता अभियान का सम्यक दृष्टि से आकलन किया जा सके।

आपको याद होगा कि महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने सदस्य मिशन एक लाख शुरू किया था और मुझे खुशी है कि आप सभी के अनन्य और भरसक सहयोग से यह मिशन वर्तमान कार्यकारिणी द्वारा पूरा किया गया और इसके लिए महासभा परिवार के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं। कैलाश बरनेला 6 वर्ष तक महासभा के प्रधान रहे और उन्होंने अपने कार्यकाल में लगभग 38393 सदस्यों को इस परिवार मे शामिल किया और लोगों में महासभा के प्रति जुड़ने का एक जज्बा पैदा किया और उसके पश्चात प्रधान रवि शंकर शर्मा ने इस परिवार में लगभग 28503 सदस्य शामिल किए और उसके पश्चात नेमी चन्द शर्मा और कार्यकारी प्रधान फूल कुमार शर्मा ने लगभग 8617 सदस्य इस परिवार में शामिल किए। जहां तक महासभा की वर्तमान कार्यकारिणी का प्रश्न है आप सभी के सहयोग से लगभग 20760 सदस्य शामिल किए। मई 2024 तक लगभ 108600 सदस्य इस महासभा रुपी परिवार में शामिल किए गए हैं और मुझे आशा ही नहीं अपितु आप सभी पर पूर्ण विश्वास है कि इस परिवार के सदस्यों की संख्या निरंतर बढ़ती रहेगी। आओ सभी मिलकर 1 जून से लेकर तीन सप्ताह 21 जून तक महासभा के साथ नए सदस्य जोड़ने का एक विशेष अभियान शुरु करें।

अत: कार्यकारिणी के माननीय सदस्यों से पुन: अनुरोध है कि महासभा रुपी परिवार में नए सदस्यों को शामिल करके इस महासभा रुपी परिवार में अभिवृद्धि के अपने संकल्प को पूरा करें ताकि हम सभी मिलकर न केवल अपनी राजनैतिक ताकत में इजाफा करके युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल और गौरवमय बनाने में अपना अमूल्य योगदान दे। आप जीवन में प्रेम और परोपकार के रास्ते पर चलते हुए अपने जीवन को सार्थक बनाने का स्तुत्य करें।

आपका और हमारा यह स्नेह और प्यार सदैव से ही इसी प्रकार से बना रहे।

धन्यवाद।

*****

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. – 27/1919
440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली – 110006
दूरभाष: 011–42420443, 011–42470443
Registration Website: www.abjbmahasabha.com, Contact E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सत्य नारायण शर्मा	सांवरमल जांगिड
प्रधान	कोषाध्यक्ष	महामंत्री

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2326/2024 **दिनांक 13/05/2024**

प्रतिष्ठा में:-

सम्माननीय,
समस्त प्रदेश अध्यक्ष,
समस्त महासभा कार्यकारिणी के पदाधिकारी गण,
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा -दिल्ली

विषय:- महासभा राष्ट्रिय कार्यकारिणी की आगामी त्रैमासिक मीटिंग की सूचना बाबत

महोदय,

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के सम्माननीय समस्त प्रदेशाध्यक्षों एवं कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को सूचित किया जाता है कि महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आगामी त्रैमासिक मीटिंग **महासभा प्रधान श्री रामपाल जांगिड** की अध्यक्षता में **प्रदेश सभा, राजस्थान** के सौजन्य से **श्री खाटू श्याम जी, श्री सालासर बालाजी धाम, लोहार्गल धाम एवं माता जीण व शाकम्बरी माता शक्ति पीठ** से सुसज्जित प्रसिद्ध धार्मिक क्षेत्र **शेखावाटी की पावन धरा** पर **जिला सभा सीकर एवं श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति – सीकर के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23 जून, 2024, रविवार को प्रात: 9.15 बजे से संस्कार रिसोर्ट, पिपराली रोड, सीकर** में आयोजित की जायेगी।

अत: आप सभी ससम्मान सादर आमंत्रित हैं, कृपया बैठक में समय पर पधार कर समाज हित में अपने बहुमूल्य विचारों, सुझावों से महासभा को नई दिशा देने में अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करते हुए सहयोग प्रदान करें।

नोट:- मीटिंग का एजेंडा एवं लोकेशन, कार्यकारिणी ग्रुप्स के माध्यम से आपकी सूचनार्थ शीघ्र ही पर प्रेषित कर दी जायेगी।

1. मीटिंग दिनांक :-	**23 जून, 2024,**	**रविवार, प्रात: 9.15 बजे से**	
2. मीटिंग स्थान :-	**संस्कार रिसोर्ट,**	**पिपराली रोड, सीकर (राजस्थान)**	
3. सम्पर्क सूत्र :-	श्री घनश्याम शर्मा,	**प्रदेश अध्यक्ष – राजस्थान**	9829052920
	श्री कैलाश शर्मा,	महामंत्री – प्रदेश सभा, राजस्थान	9829062211
	श्री बाबु लाल जांगिड,	कार्यकारी अध्यक्ष – जिला सभा, सीकर	7073909551
	श्री राधेश्याम मांडन	महामंत्री – जिला सभा, सीकर	9549092111
	श्री सीता राम जांगिड	उपप्रधान – महासभा	7427883801
	श्री सुनील जांगिड	सदस्य यातायात समिति	9602186254

धन्यवाद।

नोट:–महासभा के सभी पदाधिकारीगणों से विन्रम निवेदन है कि महासभा की आगामी त्रैमासिक मीटिंग में अपने–अपने परिचय पत्रों के साथ पधारने का कष्ट करें।

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री – महासभा

राजस्थान प्रदेश सभा की कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन 5 मई को जयपुर में आयोजित किया गया।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने राजस्थान प्रदेश के समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह समाज की प्रतिष्ठा को चार-चांद लगाने के लिए समाजहित में कार्य करते हुए समाज में परिव्याप्त बुराइयों को दूर करने का संकल्प लें तथा आपस में प्रेम और सौहार्द तथा भाईचारे की भावना को बलवती करते हुए समाज को आगे बढ़ाने में भरपूर सहयोग करें और समाजहित में कार्य करते हुए राजनैतिक, सामाजिक और शैक्षणिक तौर पर समाज को सुदृढ़ करने और आपसी मतभेद भुलाकर नेतृत्व का सहयोग करें और समाज को आगे बढ़ाने और इसे अग्रसर करने में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करें।

इस समारोह के अध्यक्ष, प्रधान रामपाल शर्मा ने यह उदगार, राजस्थान प्रदेश सभा की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। अपने उद्बोधन में प्रदेश कार्यकारिणी में सम्मिलित सदस्यों को और विशेषकर कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड और महासचिव कैलाश शर्मा सालीवाले को बधाई देते हुए कहा कि आप ने समाज सेवा करने की शपथ ली है और संकल्प लिया है, तो वास्तव में आप, सभी एकजुट होकर समाज की प्रतिष्ठा को बढ़ाने के साथ ही सामाजिक बुराइयों को दूर करने के साथ-साथ आपस में प्रेम भावना और आपसी सदभाव बनाए रखें और समाज के जरुरत मंदों की यथासंभव सहायता करें। राजस्थान प्रदेश सभा की कार्यकारिणी के सभी सदस्यों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि इस प्रदेश में सबसे अधिक समाज बंधु रहते हैं और इसीलिए आप सभी की जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यकारिणी का कार्यकाल नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के साथ ही तकनीकी शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक युग में तकनीकी ज्ञान के आधार पर ही चुनौतियों का सामना करने में युवा पीढ़ी सक्षम हो सकती है और जिससे न केवल समाज का अपितु देश का भी सर्वांगीण विकास भी सुनिश्चित हो सकेगा।

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा प्रदेश सभा, राजस्थान की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रामेश्वरम गार्डन, सीकर रोड, जयपुर में 5 मई को सम्पन्न हुआ। इस समारोह में प्रदेश सभा के मुख्य संरक्षक रामसहाय बगवाड़ा और कैलाश चंद्र लोइवाल बगरु, कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड, महामंत्री कैलाश शर्मा सालीवाले, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा, सह कोषाध्यक्ष मुकेश

कड़वानिया, मुख्य चुनाव अधिकारी बसन्त कुमार गेपाल, उप मुख्य चुनाव अधिकारी कमल किशोर गोठडीवाल, मुख्य सलाहकार सुभाष चन्द्र जांगिड और मूलचंद लोवंडीवाल, उप प्रधान हनुमान सहाय आमेरिया, उमेश चिचावा, शिवराज किंजा, प्रचार मंत्री कालुराम सीलक, प्रदेश संगठन मंत्री राजेन्द्र आसलिया सहित लगभग 400 प्रदेश सभा के सदस्यों को विभिन्न पदों की पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई और इस समारोह में अनेक भामाशाहों और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले समाज बन्धुओं को भी स्मृति चिह्न देकर प्रदेश सभा द्वारा भावभीना स्वागत और हार्दिक अभिनन्दन किया गया।

इस समारोह में समाज के पत्रकारों को जिन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में चेतना और जागृति लाने का काम किया है, उनको महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और मुख्य अतिथि द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया । इनमें दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिराम जांगिड, विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा, विश्वकर्मा न्यूज के सम्पादक महेश शर्मा और विश्वकर्मा पुत्र के सम्पादक राज जांगिड भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त खेलों में स्वर्ण पदक हासिल करने वाली सम्पादक हरिराम जांगिड की पुत्र वधू प्रियंका शर्मा को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

प्रदेश सभा के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने देश के कोने-कोने से आए अतिथियों का राजस्थान प्रदेश सभा की तरफ से भावभीना स्वागत करते हुए तथा **अतिथि देवो भवः** की परम्परा का पालन करते हुए अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का अभिनन्दन किया और आगामी 3 वर्ष में प्रदेश सभा की कार्य योजना समाज के समक्ष रखी और उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया कि प्रदेश के सभी लोगों के अनन्य सहयोग से समाज हित की योजनाओं को अक्षरशः लागू किया जाएगा ताकि इन योजनाओं का लाभ उठा कर गरीब और विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में युवा पीढ़ी अग्रसर हो सके।

समारोह के मुख्य अतिथि विधायक श्री गोपाल शर्मा ने जांगिड समाज को कार्यशील एवं अनुशासित समाज बताते हुए कहा कि जिस प्रकार से भगवान श्री विश्वकर्मा ने सृष्टि का निर्माण किया है और वह इस समाज के इष्टदेव भी हैं और उन्हीं के पदचिह्नों पर चलते हुए ही इस समाज के लोगों ने देश में शिल्प कला और विज्ञान के क्षेत्र में जितने भी अनूठे और अकल्पनीय कार्य किए हैं वह सब भगवान विश्वकर्मा जी की अनुकम्पा का ही प्रसाद है और आज भी जांगिड समाज आधुनिक जगत का सृजन कर रहा है और नए नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है।

समारोह के अति विशिष्ट अतिथि विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने विश्वकर्मा समाज के लोगों के कल्याण के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत की है, जिसका उद्देश्य विश्वकर्मा समाज के लोगों को आगे बढ़ने के लिए

इस योजना के अंतर्गत युवाओं को प्रशिक्षण देने के साथ ही सस्ती दरों पर ऋण भी उपलब्ध करवाया जा रहा है ताकि वह अपनी आजीविका कमाने में सक्षम हो सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि राजस्थान प्रदेश में भी विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा ताकि उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके।

विशिष्ट अतिथि और समाज सेवी, अजीत मांडण ने अपने उद्बोधन में समाज के लोगों का आह्वान किया कि संगठन के माध्यम से ही राजनीति के क्षेत्र में अधिक से अधिक राजनैतिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संगठन के बल के आधार पर ही कोई भी समाज आगे बढ़ सकता है और इसके लिए इस समाज को एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सतत् प्रयास करने चाहिए ताकि आपकी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य उज्ज्वल हो सके।

कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रदेश सभा के महामंत्री कैलाश शर्मा सालीवाले, ने बड़े ही मनोयोग पूर्वक और दक्षतापूर्वक ढंग से किया और इस कार्यक्रम की निरंतरता को अक्षुण्ण बनाए रखते हुए अपनी वाकपटुता और ज्ञान कौशल के माध्यम से उपस्थित महानुभावों को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया।

इस भव्य और शानदार कार्यक्रम में जिन महान विभूतियों ने इस समारोह की शोभा को द्विगुणित किया उनमें, महासभा के पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड, महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राहुल शर्मा, महासभा के मिशन डेढ लाख सदस्य के प्रभारी रामजीलाल जांगिड, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल, राजस्थान प्रदेश की महिला प्रकोष्ठ की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती नीलू जांगिड, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभूदयाल बरनेला, दिल्ली प्रदेश सभा के अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा, पहाड़गंज मन्दिर दिल्ली के अध्यक्ष गंगादीन जांगिड, दिल्ली प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल, इन्दौर के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र जांगिड, मध्य प्रदेश युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष चिरंजीलाल शर्मा, जी एस टी अधिकारी प्रेम कुमार शर्मा, राजस्थान प्रदेश सभा के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऐडवोकेट ओमप्रकाश शर्मा, सीकर शिक्षा समिति के अध्यक्ष बनवारी खण्डेलसर, अशोक शर्मा ए.जी.एस पाली, श्री विश्वकर्मा कर्मचारी समिति के अध्यक्ष बृजकिशोर शर्मा उपस्थित थे।

इसके अतिरिक्त राजस्थान प्रदेश की जिला सभाओं के अध्यक्ष, जिनमें जयपुर से बाबूलाल शर्मा, बांसवाडा से अशोक शर्मा, बीकानेर से भंवरलाल सुथार, चूरू से नीरज जांगिड, दौसा से कैलाशचन्द जांगिड, हनुमानगढ से मांगीराम सुथार, जालौर से छगनलाल सुथार, झालावाड से मोहनलाल विश्वकर्मा, जोधपुर से दिलीप छड़िया, कोटा से भागचन्द जांगिड, नागौर से जंवरीलाल जांगिड, सीकर से हरिनारायण जांगिड, सीकर जिला सभा के महामंत्री राधेश्याम मांडण, सिरोही जिलाध्यक्ष नन्दकुमार जांगिड, उदयपुर से हंसराज शर्मा, फलौदी से जयकृष्ण सुथार, डीग से दिनेशचन्द शर्मा, केकड़ी से दुर्गालाल जांगिड, बालोतरा से बांकाराम जांगिड, ब्यावर से ब्रह्मदेव शर्मा, अलवर से जिला अध्यक्ष रत्न लाल जांगिड, और शाहपुरा से मिट्ठूलाल जांगिड के साथ ही, तहसील सभाओं के अध्यक्ष एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों के अलावा सैंकड़ों की संख्या में समाज बंधु और मातृशक्ति ने, इस समारोह में शामिल होकर इसकी शोभा ओर गरिमा को बढ़ाने का काम किया, जिसके कारण यह समारोह लोगों के दिलों पर हमेशा के लिए एक अमिट छाप छोड़ने में सफल रहा।

राजस्थान प्रदेश सभा के महामंत्री कैलाश शर्मा (साली वाले)

महासभा के मुख्य संरक्षक भंवर लाल कुलरिया को प्राइड ऑफ राजस्थान प्रदान किया गया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा भंवरलाल कुलरिया को 13 अप्रैल 2024 को जयपुर में दैनिक जागरण भास्कर द्वारा आयोजित समारोह में प्राइड ऑफ राजस्थान पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

जीवन में आशातीत सफलता केवल उन महान व्यक्तियों को मिलती है, जिसका जीवन संघर्षो की एक ज्वलंत मिसाल और अपने क्षेत्र में सफलता हासिल करने के पश्चात् वह महान व्यक्तित्व के धनी उस पके हुए फल वाले वृक्ष की तरह हो जाता है, जो बड़ी ही सहजता और विनम्रता, सौहार्द और आपसी तादात्म्य के माध्यम से करोड़ों लोगों का दिल जीतने का काम करते हैं और ऐसे सज्जन पुरुष अपने विनम्र व्यवहार और मिलनसार स्वभाव तथा सुदृढ़ इच्छाशक्ति के परिणाम स्वरूप ही सभी के हृदय में अपना एक विशेष स्थान बना लेते हैं और इस कड़ी में पहला नाम आता है सुथार समाज के हीरे और भामाशाह तथा अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के मुख्य संरक्षक के पद पर सुशोभित भंवर लाल कुलरिया का। उनकी समाज के प्रति समर्पण और अनवरत सेवाभाव तथा दान की सहज और स्वाभाविक प्रवृत्ति को देखते हुए ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा 13 अप्रैल 2024 को जयपुर में दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित समारोह में भंवर लाल कुलरिया को **प्राइड ऑफ ऑफ राजस्थान** पुरस्कार देकर उनकी सेवाओं को एक विशेष पहचान देने का कार्य किया है।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र भंवर लाल कुलरिया को सम्मानित करते हुए

राजस्थान सरकार द्वारा उनकी समाज के प्रति उत्कृष्ट सेवा भावना को ध्यान में रखते हुए ही जो प्राइड ऑफ राजस्थान पुरस्कार दिया गया है। उसके बारे में पूछे गए एक सवाल के जबाब में उत्तर देते हुए कहा कि 'मुझे खुशी है कि राजस्थान सरकार ने समाज और प्रदेश तथा देश के लिए नि:स्वार्थ भाव से की जा रही सेवा को ध्यान में रखते हुए यह पुरस्कार दिया है। इसके लिए मैं राजस्थान सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार मैं समाज के उन लोगो को समर्पित करता हूं, जिन्होंने इस सेवा भाव रुपी महायज्ञ में भाग लेते हुए अपने जीवन स्तर को सम्मुन्त करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा यह जीवन परमात्मा की दी हुई एक अनमोल धरोहर है और मानव सेवा करने की जिज्ञासा और भावना भी वही परमात्मा ही पैदा करता है और इसी का परिणाम यह है कि आज प्राइड ऑफ राजस्थान अलंकरण से अलंकृत होना और मेरे जीवन का यह एक सुखद और मनोहारी क्षण है। इस प्रतिष्ठित सम्मान को पाकर मैं और मेरा परिवार विशेष रूप से अभिभूत है और यह समाज के लिए भी अतिशय गौरवशाली पल हैं।

भंवर लाल कुलरिया ने भावुक होते हुए कहा कि इन मधुर पलों की स्नेहिल स्मृतियों का हृदय के अन्तःकरण से अपनी आत्मिक भावनाओं के साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं सच्चाई का आईना दिखाने वाले लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ, 'दैनिक भास्कर' का कृतज्ञतापूर्वक आभार प्रकट करता हूँ। उन्होंने पुनः दोहराया कि यह मान-सम्मान, केवल मेरा सम्मान नहीं है अपितु उन सभी परिवारजनों, मित्रों एवं सदभावना पूर्वक और हितेषी सहयोगियों का है, जिन्होंने इस महायज्ञ में अपने इस सामाजिक मिशन को पूरा करने में कदम कदम पर अतुलनीय सहयोग दिया है।

भंवरलाल कुलरिया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के साथ।

समाज सेवा की भावना का जज्बा आपमें कैसे पैदा हुआ। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए उनका दिल भर आया और बड़े ही सहज भाव से कहा कि 'मेरे पिता ब्रह्मलीन संत दुलाराम कुलरिया ने मुझे उत्तम संस्कारों से पोषित करने के साथ ही, धर्म, समाज सेवा, शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष रूप से समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों तथा विद्यार्थियों की सेवा करने के संकल्प का पाठ पढ़ाया और सदैव ही निःस्वार्थ भाव से तत्पर रहकर समाज का उत्थान करने के लिए जो शिक्षा दी, उसी आदेश का अनुसरण करते हुए मैं अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर अग्रसर होता हुआ सदैव ही उनके द्वारा बतलाए गए मार्ग पर सदैव ही चलते हुए आज यहां तक पहुंचा हूं और इसके साथ ही मैं राजस्थान प्रदेश के सभी लोगों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

इन्टीरियर जगत में ख्याति हासिल करने के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि वह 14 वर्ष की आयु में एक कठिन डगर पर माता-पिता का आशीर्वाद लेकर सन् 1977 में घर से निकल पड़े देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में अपनी किस्मत आजमाने के लिए और कई बार ऐसी विकट परिस्थितियां भी आई, लेकिन परमात्मा ने हिम्मत और हौसला दिया और पहले से अधिक कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ किया और सन् 1982 में इन्होंने एक **मिस्त्री नाम की एक फर्म की स्थापना की और उसके पश्चात सन् 1997 में भंवर इन्टीरियर और सन् 2002 में कुलरिया इंडस्टरीज जैसी बहुप्रतिष्ठत कम्पनी की स्थापना की और उसके पश्चात कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा** और आज इंटीरियर जगत में इनका अपना जाना पहचाना नाम है और अपनी गुणवत्ता के आधार पर अपनी एक विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने बताया कि यह कम्पनी केवल बहुराष्ट्रीय कंपनियों, बैंकिंग और कारपोरेट घरानों के लिए ही अधिकतर कार्य करती है और **इसकी एक विशेषता यह है कि इस कम्पनी के द्वारा क्वालिटी के मामले में कोई भी समझौता नहीं किया जाता है और आज लगभग 8-10 हजार कर्मचारी इस इन्टीरियर कम्पनी में कार्य करते हैं।**

कुलरिया कम्पनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मृदुभाषी और मिलनसार प्रवृत्ति के धनी भंवर लाल कुलरिया की वास्तविक पहचान उनका सरल स्वभाव और साधु प्रवृति के धनी और गरिमा से परिपूर्ण व्यक्तित्व है। बीकानेर जिले के सिलवा मूलवास गांव में समाजसेवी व भामाशाह ब्रह्मलीन संत दुलाराम कुलरिया और माता श्रीमती रामप्यारी कुलरिया के घर जन्मे, भंवर लाल कुलरिया धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी देवी कुलरिया की जिंदगी की सफलता की कहानी जिन स्वर्ण अक्षरों में लिखी गई है, वास्तव में वह उसके हकदार भी हैं और आज वह समाज में जिस शिखर पर अपने कार्यक्षमता और दक्षता के बल पर पहुंचे हैं वास्तव में वह उसके असली हकदार हैं। क्योंकि इस सफलता के शिखर तक पहुंचने के लिए उन्होंने जो अपना लक्ष्य निर्धारित

किया और फिर उस पर आगे बढ़ते हुए अपने कर्तव्य बोध के प्रति के बेहद सजग, रहने के साथ ही काम के प्रति पूरी तरह से निष्ठा और समर्पित भाव से काम करते हुए ही जीवन में अपने लक्ष्य को हासिल किया।

एक सवाल के जबाब में उन्होंने बड़े ही स्पष्ट शब्दों में कहा कि काम करने की कोई आयु नहीं होती है अपितु परिस्थितियों के वशीभूत होकर वह अपने जीवन का रास्ता तय करता है। अपने सपनों को मूर्त रूप देने के लिए वह अपनी युवावस्था में ही घर से निकल पड़े और 4-5 वर्षो की कड़ी मेहनत के पश्चात भंवर कुलरिया ने व्यापार संभालते ही जीवन के सबसे कठिन मार्ग पर निकल पड़े थे और आज जिस सफलता के शिखर पर पहुंचे हैं उनके लिए एक प्रेरणा के साथ साथ एक अनुकरणीय उदाहरण भी है और इसके साथ ही युवा पीढ़ी के लिए सबसे बड़ी मिसाल बनकर उभरे हैं। आज भंवर इंटीरियर्स व कुलरिया इंडस्ट्रीज के चेयरमैन व मेनेजिंग डायरेक्टर के पद पर कार्यरत हैं और उनकी यह कंपनी दुनिया भर में इंटीरियर्स प्रोजेक्ट तैयार करती है। भंवर कुलरिया की सभी फर्मे प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटीरियर जगत में स्थापित हैं। यहीं से व्यवसाय की नींव का पत्थर मजबूत हुआ। कड़ी मेहनत व कार्य करने के प्रति जज्बे से निरंतर आगे बढ़ते गए उनका मानना है कि जो व्यक्ति क्वालिटी के प्रति समर्पित नहीं रहता, क्लाइन्ट्स को महत्व नहीं देता, वह जीवन में कभी भी सफल नहीं तो सकता है ।

आज के इस आधुनिक युग में समाज एवं राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित, समाजसेवी व भामाशाह भंवर इंटीरियर्स व कुलरिया इंडस्ट्रीज के सीएमडी भंवर कुलरिया ने अपनी मेहनत से लिखी है कामयाबी की इबारत लिखी है और लगभग अपने 60 साल के सफर में इन्होंने अपने पिता ब्रह्मलीन संत दुलाराम कुलरिया, सन्त महात्माओं और परमात्मा की असीम अनुकम्पा से आशीर्वाद से धार्मिक कार्यक्रमों, सामाजिक कार्यक्रमों में और शैक्षणिक संस्थानों के विकास में बढ़-चढ़कर आर्थिक सहयोग प्रदान करके एक नया मुकाम हासिल किया है। भंवर कुलरिया बताते है कि मेरे पिताजी ब्रह्मलीन गौसेवी संत दुलाराम जी कुलरिया के संस्कार मुझे हमेशा प्रेरणा देते है। मेरे छोटे भाई नरसी और पुनम कुलरिया व बेटे राजेश, नरेन्द्र, गोपीकिशन व मोहित मेरी उर्जा के सबसे बड़े स्त्रोत है।भंवर कुलरिया ने अपनी कंपनी को आज देश की लीडिंग इंटीरियर्स कंपनी बना दिया है। यह उनके जोश और जुनून का ही प्रतिफल है कि आज उनकी कंपनी देश ही नहीं अपितु विश्व की प्रमुख कंपनियों में शामिल की जाती है।

समाज सेवा के लिए करोड़ों रुपए का योगदान देने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जबाब में उन्होंने कहा कि हालांकि वह रहते मुम्बई में हैं, लेकिन वह अपनी जड़ों यानी मातृभूमि को कभी भी नहीं भूले हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि गांव की माटी की महक और सोन्धी-सोन्धी सुगंध मुझे बार बार ही अपनी और आकर्षित करती रहती है। इसके साथ ही समाज के लोगों का जीवन स्तर सुधारने की जिज्ञासा और ललक, बालिकाओं में शिक्षा के विकास और युवा पीढ़ी में संस्कारों को पोषित करने की जरूरत की कोशिश उनके लक्ष्य में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती रहती है । उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि उन पर मातृभूमि का

कर्ज है क्योंकि आज मेरे ऊपर मातृभूमि का जो कर्ज उससे मैं कभी भी उऋण नहीं हो सकता हूं।

अपनी मातृभूमि गांव सिलवा ने हम सभी को बहुत कुछ दिया है और अगर परमात्मा ने मौका दिया है और अगर एक व्यक्ति सक्षम हैं, तो हमें समाज को वापस लौटाना भी चाहिए ताकि मातृभूमि के ऋण को चुकाया जा सके। सेवा भावना और उतम संस्कार अपने पिता जी से मिले हैं। मूलवास और आसपास के गांवों के सर्वांगीण विकास में विकास कुलरिया परिवार की बहुत बड़ी भूमिका रही है। मूलवास सिलवा में स्कूल, अस्पताल, सडके, मंदिर व समाज के छात्रावास, धर्मशाला सहित राष्ट्र निर्माण में भी कुलरिया परिवार का बहुत बड़ा योगदान है।

समग्र रूप से भंवर लाल कुलरिया सामाजिक सरोकारों के प्रति किसी के बारे में दूसरे शब्दों में कहें, तो उनका व्यक्तित्व एक सफलतम व्यवसायी और एक सच्ची सामाजिक सोच का बेजोड संगम है। समाज के विकास की मूल धूरी वह शिक्षा को मानते हैं क्योंकि जिस प्रकार से आधुनिक युग में शिक्षा का विकास हुआ है और युवा पीढ़ी आगे बढ़ रही है उससे देश का भविष्य बड़ा ही उज्ज्वल है। भंवर लाल का मानना है पैसा जिंदगी के लिए महत्वपूर्ण तो है, लेकिन पैसा ही सबसे अहम नहीं है क्योंकि जिस पर परमात्मा की अनुकम्पा, होगी उस पर कृपा दृष्टि हमेशा ही बनी रहेगी। 'देने वाला तो कोई और है, लेकिन नाम मेरा हो रहा है। इस भावना को आत्मसात करते हुए ही अपनी श्रद्धानुसार दान दिया गया है।

भंवरलाल कुलरिया ने दान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि अपनी पोत्री की पावन स्मृति में 51 लाख रुपए डेह धाम में मंदिर निर्माण के लिए, 51 लाख रुपए अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली को महासभा के भवन निर्माण के लिए 31 लाख रुपए, जैसलमेर समाज भवन के लिए 21 लाख रुपए, फलोदी में समाज भवन के लिए 17 लाख रुपए, बंधड़ा में स्कूल में भवन निर्माण के लिए 11 लाख रुपए, नागौर में राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिता के लिए 11 लाख रुपए, जांगिड सभा कोटा को 11 लाख रुपए, विश्वकर्मा जांगिड छात्रावास के लिए 11 लाख 51 हजार रुपए, विश्वकर्मा महासम्मेलन में 11 लाख रुपए । इस प्रकार से समाज में शिक्षा, चिकित्सा व समाजसेवा में जरूरतमंदों को सहयोग के रूप में करोड़ों रुपए दान स्वरूप भेंट किए गए हैं।

उन्होंने और उनकी धर्मपत्नी मुन्नी देवी कुलरिया ने अपने पुत्र राजेश कुलरिया, नरेन्द्र कुलरिया गोपीकिशन कुलरिया और मोहित कुलरिया को भी अच्छे संस्कार दिए हैं और उन सभी को भी समाजसेवा का पाठ पढ़ाया है। उन सभी को यह शिक्षा प्रदान की कि जीवन में आशातीत सफलता हासिल करनी है तो समाज के गरीब लोगों की मदद करने के साथ-साथ गरीब बच्चों की पढ़ाई में मदद करने का संकल्प लें।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने भंवर लाल कुलरिया को प्राइड ऑफ राजस्थान पुरस्कार मिलने पर बधाई देते हुए कहा है कि यह समाज के लिए एक गौरव की बात है। राजस्थान सरकार ने आपके मानवता के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यो को ध्यान में रखते हुए ही इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। मुझे आशा है कि भविष्य में भगवान आपको और अधिक शक्ति प्रदान करेगा ताकि आप इसी प्रकार से निःस्वार्थ भाव से समाज और मानवता के कल्याण के लिए सतत् प्रयत्नशील रहेंगे। भगवान आपको दीर्घायु प्रदान करें।

सम्पादक

रामभगत शर्मा।

गजानंद जांगिड राजस्थान प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष बने।

विनम्रता और शालीनता की प्रतिमूर्ति, समाज सेवा के लिए समर्पित व्यक्तित्व के धनी और बहुआयामी व्यक्तित्व का प्रतीक गजानंद जांगिड ने समाज सेवा और सरकारी नौकरी में रहते हुए समाज और सरकारी नौकरी के बीच आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए जो नए आयाम स्थापित किए गए हैं, उसी सेवा भावना को ध्यान में रखते हुए ही उन्हें राजस्थान प्रदेश सभा का 24 अप्रैल को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। वह लोक निर्माण विभाग राजस्थान में एक कनिष्ठ अभियंता के पद पर क्लास थ्री ग्रैड में भर्ती हुए और अपनी प्रतिभा और योग्यता के बल पर 39 वर्षों की सेवा काल के दौरान विभिन्न पदों और स्थानों पर कार्य करते हुए अधीक्षक अभियंता के क्लास वन अधिकारी के पद पर पहुंचे।

राजस्थान प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड

समाज सेवा का जज्बा कुछ अधिकारियों में इतना अधिक होता है कि वह समाज और सरकारी नौकरी में आपसी तादात्म्य बनाए रखते हुए अपनी एक विशेष पहचान बना लेते हैं और उसकी ज्वलंत मिसाल गजानंद जांगिड हैं। जिस समय, उनसे राजस्थान प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बारे में पूछा गया तो, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि समाज मुझे जो दायित्व समाज ने सौंपा है उसको सदाशयता पूर्वक तरीके से पूरा करने के लिए वह सदैव ही तत्पर रहेंगे। समाज सेवा और विशेषकर गरीबों की सेवा ही भगवान की सेवा है तथा समाज सेवा का जज्बा उनमें बचपन से ही है और माता-पिता ने भी उसे यही संस्कार दिए हैं कि जहां तक संभव हो सके गरीब व्यक्तियों की कभी भी बद्दुआएं और श्राप का शिकार मत बनना और इसी आदर्श को मैने अपने जीवन में सदैव ही आत्मसात करते हुए समाज के लोगों की सरकारी सेवा में रहते हुए भरपूर सहयोग किया है।

राजस्थान प्रदेश सभा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और प्रदेश सभा के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के इस अदने से सेवक पर जो इतना बड़ा विश्वास करके, इतना बड़ा दायित्व सौंपा गया है उस दायित्व का निर्वहन मैं बड़ी ही ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ करुंगा इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि वह सन् 2021 से अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा दिल्ली की हाई पावर कमेटी के सदस्य हैं और वर्तमान में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण राजस्थान में सलाहकार के पद पर भी सन 2020 से निरंतर कार्य करते रहे हैं और वर्तमान में अखिल भारतीय श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट में सन् 2000 से ट्रस्टी के रूप में निरंतर कार्यरत हैं और इसी प्रकार सन् 2017 से वह विश्वकर्मा ट्रस्ट के ट्रस्टी भी हैं।

कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के पश्चात 27 अप्रैल को वह अपने गांव विराट नगर पहुंचे गांव में पहुंचने पर गजानंद जांगिड का पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत किया गया। इस दौरान उनके साथ अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के मिशन डेढ़ लाख सदस्य के प्रभारी रामजी लाल जांगिड भी थे।

इसके अतिरिक्त मनोहर लाल जांगिड, पी एच ई डी में अभियन्ता, महावीर जांगिड, चुनीलाल भामोद, चिरंजी लाल बलेसर, विराटनगर तहसील के पूर्व तहसील अध्यक्ष बाबूलाल जांगिड सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उनका भावभीना स्वागत किया।

कार्यकारी अध्यक्ष का अपने पैतृक गांव में पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने गजानंद जांगिड के राजस्थान प्रदेश सभा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा है कि बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी और समाज सेवा की प्रतिमूर्ति गजानंद जांगिड का व्यक्तित्व एक हीरे के समान उज्ज्वल और शालीनता से परिपूर्ण है। उनका गरिमामय व्यक्तित्व किसी परिचय का मोहताज नहीं है। मैं आशा करता हूं कि आप अपने दायित्व का भली-भांति निर्वहन करते हुए लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे।

प्रदेश सभा के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार और प्रदेश सभा के महामंत्री कैलाश सालीवाले ने कहा कि गजानंद जांगिड की प्रतिभा और योग्यता को ध्यान में रखते हुए ही उनको महासभा में हाई पावर कमेटी का सदस्य बनाया गया था ताकि उनके विस्तृत अनुभव का लाभ इस समाज के लोगों को मिल सके। अब उनकी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए ही प्रदेश सभा में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है और हम तीनों मिलकर समाज के हित को सर्वोपरि समझते हुए समाज की भलाई के लिए निरन्तर कार्य करते रहेंगे।

सम्पादक रामभगत शर्मा।

12 मई को विश्वकर्मावंश के कुल गौरव,
श्री आद्य शंकराचार्य प्राकट्योत्सव दिवस।

शंकर जनमे कालड़ी, पूर्णा सरिता तीर।आठ सौ पैंतालीस संवत धरे शरीर।।
वैशाख मास, शुक्ल पक्ष तिथि पाँच, केरल प्रांत देव भूमि, जनमे जानो साँच।।
भारत की कर परिक्रमा, थापे चारों धाम। चार मठ बावन मड़ियाँ, गोस्वामी दशनाम।।
ज्योति बद्रीनाथ समीप, श्रंगेरी रामेश, शारद द्वारिका जानो, गोवर्द्धना जगदीश।।
पिता शिवगुरु आर्याबा, आदि शंकरा मात, गुरु आचार्य गोविंदा, ज्ञानदाता भग्वदपाद।।
आठ वर्ष छोटी अवस्था, कंठस्थ चारों वेद।सब मतों का खंडन कर, बताया मत अद्वैत।।
मंडन मिश्र से शास्त्रार्थ, दिया ज्ञान उपदेश।ओंकारेश्वर तपस्थली, करम भूमि मम देश।।
गीतोपनिषद वेदांत, रचे शंकरा भाष्य।नारदकुंड बद्री शोधि, भूमि जगन्नाथ उपास्य।।
सतयुग में दक्षिणामूर्ति, श्री दत्त त्रेता बीच।द्वापर वेदव्यास हुए, शंकर कलियुग बीच।।
संवत अष्ट शत सतहत्तर, तीर्थ केदारनाथ।बत्तीस बरस तन त्यागा, करि चले जग अनाथ।।

महासभा की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष,
मधु शर्मा इन्दौर।

पोकरण के विधायक का दुबई में अमरा राम जांगिड ने भव्य स्वागत किया।

संयुक्त अरब अमीरात में जांगिड समाज का परचम लहराने वाले, विनम्रता और सहृदयता का प्रतीक महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम और विश्वकर्मा प्रोफेशनल एण्ड बिजनेस ग्रुप ने तारामठ के मठाधीश और पोकरण राजस्थान के विधायक और परमपूज्य संत श्रीश्री 1008 महंत प्रताप पुरी महाराज के तीन दिवसीय दुबई प्रवास के दौरान पलक पांवड़े बिछाकर समाज बंधुओं ने उनका भव्य और गरिमापूर्ण तरीके से दुबई की धरा पर भावभीना स्वागत किया गया।

दुबई में आयोजित कार्यक्रम में विधायक महन्त प्रतापपुरी का अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड।

दुबई में आयोजित कार्यक्रम में विधायक महन्त प्रतापपुरी का इंडिया क्लब दुबई में स्वागत किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड

अमरा राम जांगिड जोकि मिलनसार प्रवृत्ति के धनी हैं उनके द्वारा किए गए सेवा भाव और सद्व्यवहार की अमिट छाप अपने साथ लेकर वापिस भारत देश में लौटता है। वह पिछले 20-25 वर्षों से इस पुनीत कार्य में लगे हुए हैं।

जो भी पर्यटक दुबई जाता है उसको समाज बंधुओं द्वारा विदेशी धरा पर पूरा मान-सम्मान दिया जाता है और विपीबीजी द्वारा अन्तिम दिन इंडिया क्लब दुबई में समस्त प्रवासियों के लिए स्नेह मिलन एवं आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया और इस कार्यक्रम का श्रीगणेश भगवान श्री विश्वकर्माजी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके पूजा अर्चना की गई और उसके पश्चात प्रवासी राजस्थानियों द्वारा पुष्प माला और पुष्प गुच्छ और विपीबीजी का दुपट्टा पहना कर भारत से पधारे अतिथि महन्त प्रताप पुरी, फुसाराम जोपिंग और विक्रम सिंह पंवार का भावभीना स्वागत किया गया।

विपीबीजी द्वारा किए गए स्वागत से अभिभूत होकर महाराज प्रताप पुरी ने सभी को नि:स्वार्थ भाव से की गई सेवा सुश्रुषा के लिए आशीर्वाद देने के साथ ही आभार व्यक्त किया गया और वह विपीबीजी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने तीन दिन दुबई प्रवास पर रहे । विश्वकर्मा प्रोफेशनल एण्ड बिजनेस ग्रुप के सचिव पेम्पाराम सुथार ने बताया कि पोकरण के विधायक महन्त प्रताप पुरी के दुबई पधारने पर दुबई में सुथार समाज की अग्रणी संस्था वीपीबीजी के अध्यक्ष अमराराम जांगिड के नेतृत्व में सैकड़ों प्रवासी राजस्थानियों ने विधायक महोदय का गर्म जोशी के साथ भव्य स्वागत किया और समय कम होने के बावजूद भी अधिकतम प्रवासी बंधुओं से मिलने के लिए विधिवत तरीके से कार्यक्रम बनाकर, सैकड़ों प्रवासी बंधुओं के काफिले के साथ अनेक कार्यकर्मो में उपस्थित रहे । वीपीबीजी के महासचिव विनोद आर्य ने वीपीबीजी के गठन और इसके उद्देश्य के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई और इसके अध्यक्ष अमराराम जांगिड ने विपीबीजी द्वारा राष्ट्र समाज हितार्थ किये कार्यो का उल्लेख किया साथ ही विधायक से सुथार समाज के लिए सहयोग करने की अपील भी की ताकि समाज प्रगति करके आगे बढ़ सके।

जैसलमेर जिला ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष खिम्मारामजी सुथार ने महंत जी के संघर्षमयी जीवन का परिचय दिया और महंत जी की ऐतिहासिक विजय का उल्लेख भी किया। महंत श्री प्रताप पुरी ने सभी प्रवासी बंधुओं द्वारा विदेश में उद्यम करके देश की अर्थव्यवस्था में सहयोग करने की सराहना की साथ ही कहा देश से दूर विदेश में आकर जांगिड सुथार समाज ने आपसी भाईचारा और सौहार्द तथा एकता का परिचय देते हुए इसकी प्रतिष्ठा बढाई है उसके लिए कोटि कोटि धन्यवाद।

विपीबीजी के महासचिव विनोद आर्य, दुबई।

राष्ट्रीय उद्घोषक त्रिलोक सुथार को 3 अप्रैल को राष्ट्रीय गौरव सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रतिभा किसी का मोहताज नहीं है अपितु यह परमात्मा द्वारा दी गई एक अनमोल धरोहर है और इस धरोहर को परिश्रम और पुरुषार्थ तथा अपने विवेक के माध्यम से और समर्पित भाव से कार्य करते हुए इसमें और अधिक निखार ला सकता है और यह करिश्मा करके दिखलाया है श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाले मधुर भाषी त्रिलोक सुथार ने जिनको राष्ट्रीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है।

राष्ट्रीय उद्घोषक त्रिलोक सुथार राष्ट्रीय गौरव सम्मान पुरस्कार सम्मानित किया।

इसी प्रतिभा और विशिष्ट उपलब्धि को ध्यान में रखते हुए ही राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं बाल विकास आयोग ट्रस्ट द्वारा जयपुर में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय स्तर के उद्घोषक त्रिलोक सुथार को भी राष्ट्रीय गौरव सम्मान पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित समारोह में देशभर की विभिन्न क्षेत्रो में अपना अमूल्य योगदान देने वाली 51 हस्तियों को यह सम्मान प्रदान किया गया। इस प्रकार से इन समर्पित प्रतिष्ठित महान विभूतियों को सम्मानित किया गया है, जिन्होंने अपनी एक विशेष पहचान बनाई है।

उल्लेखनीय है कि यह प्रतिष्ठित सम्मान त्रिलोक सुथार के विगत कई वर्षो से सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक कार्यक्रमों में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट मंच संचालक के रूप में बेहतरीन कार्य करने पर दिया गया है। उन्होंने अपनी प्रखर प्रतिभा और वाणी के माधुर्य से न केवल लोगों को सम्मोहित किया बल्कि अपनी सृहृदता और उत्कृष्ट भाषण शैली और तार्किक परिणति के आधार पर दर्शकों के बीच अपना प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहे हैं।

महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड ने इस अवसर पर त्रिलोक सुथार को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार इनकी उत्कृष्ट मंच संचालन और विषय के साथ आत्मीयता के साथ जुड़ाव का ही परिणाम है, जिससे उसकी अभिव्यक्ति में एक प्रकार से चुंबकीय आकर्षण आ गया है जो सहज रूप से ही श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी त्रिलोक अनेक राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान हासिल कर चुके हैं और सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि आज के इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का संचालन भी त्रिलोक सुथार द्वारा किया जा रहा है और इसने सभी दर्शकों और श्रोताओं का मन जीत लिया है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने त्रिलोक सुथार को उसकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि वह भविष्य में भी अपनी कलात्मक प्रतिभा और वाक्पटुता के माध्यम से मंच की गरिमा को चार चांद लगाते हुए समाज का नाम गौरवान्वित करेगें। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

इस अवसर पर जयपुर के सांसद रामचरण बोहरा, समाज सेवी और उद्यमी हनुमान भदरेचा, पद्मश्री उस्ताद अली गनी, रामानंद दास जी महाराज उपस्थित रहे, जिन्होंने इस समारोह की शोभा को द्विगुणित किया।

ऐडवोकेट ओमप्रकाश शर्मा

जयपुर।

मनीष जांगिड ने फैलोशिप इनटरैनस टैस्ट में देश भर में पहला स्थान हासिल किया।

कुशाग्र बुद्धि और मेहनत किसी के सफल भविष्य के लिए शुभ संकेत है परंतु यह दोनों साथ में नहीं पाए जाते हैं और कभी-कभी विशेष व्यक्ति में यह दोनों ही विद्यमान पाए जाते और जिनमें में यह दोनों ही गुण पाए जाते हैं उनकी सफलता में कोई संदेश नहीं है ऐसे व्यक्ति सफलता के शिखर पर पहुंच कर माता-पिता और समाज तथा देश का नाम रोशन करते हैं। ऐसा ही एक युवा डॉ. हैं, जील्वान बास जिला भिवानी के रहने वाले डॉ. मनीष जांगिड, जिन्होंने एंट्रेंस टेस्ट में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है और इस एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के माध्यम से किया गया था और यह बोर्ड केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अन्तर्गत आता है और यह परीक्षा 8 मार्च को आयोजित की गई थी और उसका परिणाम अप्रैल में घोषित किया गया है।

डॉ. मनीष कुमार जांगिड ने एमबीबीएस और एम एस पहले ही पास किया हुआ है, लेकिन उनकी ज्ञान पिपासा शांत नहीं हुई और अपनी इसी जिज्ञासा को मूर्त रूप देने के लिए ही डॉ. अमित जांगिड ने यह परीक्षा दी और भगवान की अनुकम्पा से देश में पहला स्थान हासिल करके न केवल माता-पिता को अपितु समाज को गौरवान्वित किया है। उनका जन्म भिवानी जिले के एक छोटे से गांव-बास में एक मध्यम वर्गीय परिवार में पिता दानसिह जांगिड और माता श्रीमती रजनी जांगिड के घर 30 जुलाई 1994 को हुआ। इनके पिता डेरा बस्सी, मोहाली में ग्रेवाल पम्पस एण्ड स्टेयरिंग में महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं।

इनके पिता दानसिंह जांगिड ने बताया कि मनीष जांगिड के प्रारंभ कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल फरीदाबाद से उन्होंने 2010 में दसवीं की परीक्षा पास की और इसी प्रकार सन 2012 में इन्होंने डेरा बस्सी के श्री सुखमणि इन्टरनैशनल स्कूल से सीनियर सेकेंडरी की परीक्षा पास की और सन् 2014 में पंडित भगवत दयाल स्नातकोत्तर मैडीकल आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान रोहतक से एमबीबीएस की परीक्षा पास की और की और उसके पश्चात सन 2023 में डॉ. मनीष कुमार जांगिड ने बाबा फरीदकोट विश्वविद्यालय आफ हैल्थ एण्ड सांईस से मैडीकल सर्जरी में एम एस की डिग्री हासिल की और उसके पश्चात आजकल वह इसी विश्वविद्यालय में फरीदकोट में जनरल सर्जन के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. मनीष ने वर्ष 2024 में आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित फैलोशिप एंटरैनस टैस्ट 2023 पास करने के बारे में सफलता हासिल करने का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने 400 अंकों में से 293 अंक हासिल करके सारे देश में पहला स्थान हासिल किया है। मैं अपनी मां का सपना पूरा करना चाहता था क्योंकि मेरी मां की इच्छा है कि मैं एक दिन एक योग्य डॉ. बनकर समाज के लोगों और विशेषकर गरीबों की सेवा करुं जो पैसे के अभाव में अपना पूरा इलाज नही करवा पाते हैं। उन्होंने बताया कि मैंने राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा को पास करने के लिए प्रतिदिन 4-5 घण्टे पढ़ाई की और सफलता मिलने के साथ ही मेरी मां का सपना तो पूरा हो ही गया है और इसके साथ ही मेरे पिता की मनोकामना भी परमात्मा की अनुकम्पा से पूरी हो गई है। कहां एक भिवानी जैसे पिछड़े इलाके में एक मध्यम वर्गीय परिवार में पैदा होने के बावजूद भी राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा में सारे देश में प्रथम स्थान हासिल करके अपनी मातृभूमि जन्मभूमि का नाम भी गौरवान्वित किया है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने डॉ. मनीष जांगिड को बधाई देते हुए कहा है कि डाक्टर का पेशा एक सर्वश्रेष्ठ कार्य है और इसीलिए एक डाक्टर को भगवान के बाद दूसरा दर्जा दिया गया है और मेरी मनस्कामना है कि डॉ. मनीष कुमार जांगिड अपने पेशे की गरिमा को बनाए रखते हुए समाज के गरीब लोगों की विशेष रूप से सहायता करें और उनकी दुआएं हासिल करें क्योंकि गरीब की बददुआ की ताकत का असर मनुष्य को बर्बाद कर देता है। मैं डाक्टर मनीष जांगिड की सफलता और उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी, किशन जांगिड कैरु भिवानी।

कविता जांगिड को वाणिज्य में डाक्टरेट की उपाधि हासिल हुई है।

जिसमें जीवन में आगे बढ़ने की तीव्र जिजीविषा हो और सभी चुनौतियों का सामना करने की अपार क्षमता हो तो उसके लिए लक्ष्य हासिल करना कोई दुष्कर कार्य नहीं होता है और यह सिद्ध करके दिखलाया है एक दृढ़ संकल्प इच्छाशक्ति की स्वामिनी कविता जांगिड सिलवाल ने और इस महायज्ञ में सहयोग दिया है उसके पति सुनील जांगिड और उनके ससुर तथा सास ने, जिन्होंने शादी के बाद भी कविता को उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए निरन्तर प्रोत्साहित किया और जिसका परिणाम यह है कि उसने मैटस विश्वविद्यालय रायपुर से वाणिज्य में पी एच डी की डिग्री हासिल की है।

कविता जांगिड ने बताया कि वाणिज्य में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल करने के बाद भी उनकी ज्ञान पिपासा यही शांत नहीं हुई और उच्च शिक्षा हासिल करने की अभिलाषा ने उसे आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित किया और वह निरन्तर अपने उर्ध्वगामी लक्ष्य की और उन्मुख रही और उन्होंने इसके पश्चात वाणिज्य में ही एम फिल की डिग्री हासिल की और निरन्तर उच्च लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ने का सतत् प्रयास करती रही और इसी का ही परिणाम है कि आज डाक्ट्रेट की डिग्री हासिल की है। उन्होंने कहा कि उनके पति सुनील जांगिड ने भी उसे निरंतर प्रोत्साहित किया, जिसके लिए उनको भी श्रेय देना उचित होगा।

गुरुकुल महाविद्यालय रायपुर में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत कविता जांगिड ने बताया कि उन्होंने शोध का कार्य मैटस विश्वविद्यालय रांची के वाणिज्य विभाग के अन्तर्गत रायपुर संभाग के आर्थिक विकास में गैर काष्ठीय वनोपज की भूमिका का विश्लेषणात्मक अध्ययन छत्तीसगढ़ भारत पर है। उन्होंने यह शोध कार्य मैट्स विश्वविद्यालय के स्कूल आफ बिजनेस स्टडीज विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सत्यकिशन के मार्गदर्शन में पूरा किया। उन्होंने बताया कि यह शोध कार्य करते हुए यद्यपि मुझे अनेंक परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन मेरे जीवन साथी और मेरे पति देव ने मेरा बार-बार उत्साहवर्धन किया और यही कारण है कि मैं अपनी पी एच डी की डिग्री पाने में सफल रही हूं और मुझे 12 अप्रैल को पी एच डी की डिग्री हासिल हुई है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कविता जांगिड को उसकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि जीवन में सफलता का एक ही मूल मंत्र है और वह है लक्ष्य को हासिल करने के लिए कठिन परिश्रम और पुरुषार्थ और यह सफलता की सीढ़ियां हासिल करने का यह सबसे सुलभ और सुगम मार्ग है।

प्रधान ने कहा कि जिस प्रकार से कविता जांगिड ने डाक्ट्रेट की डिग्री हासिल की है उसकी मैं भूरि-भूरि प्रशंसा करता हुँ। मेरी मनस्कामना है कि वह भविष्य में डी लिट की डिग्री भी हासिल करे। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष, सतीश जांगिड।

पाली राजस्थान के आशुतोष जांगिड न्यायाधीश मजिस्ट्रेट बने।

जिस युवा में बौद्धिक ज्ञान और लक्ष्य निर्धारित हो तो सफलता ऐसे युवा का वरण करती है और इस उक्ति को चरितार्थ करके दिखलाया है पाली के रहने वाले आशुतोष जांगिड ने जो अपने पहले प्रयास में ही केवल 22 साल की आयु में राजस्थान प्रदेश न्यायिक सेवा की परीक्षा पास करके न्यायाधीश बने हैं। वह जगदीश प्रकाश जांगिड और माता श्रीमती उमा जांगिड के घर 11 जून 2000 में पैदा हुए और उनके द्वारा दिए गए संस्कारों और मार्ग दर्शन का अनुसरण करते हुए मां श्रीमती उमा जांगिड देवी के द्वारा दिए गए बेहतर संस्कारों को आत्मसात करते हुए ही अपने सपनों को हकीकत में बदलते हुए प्रथम प्रयास में ही राजस्थान न्यायायिक सेवा की परीक्षा पास करके अपनी अप्रतिम प्रतिभा का परिचय दिया है। आशुतोष जांगिड ने कहा कि राजस्थान न्यायिक सेवा का परीक्षा परिणाम सितम्बर 2022 को घोषित किए गया था और उसने मैरिट सूची में 82वां स्थान हासिल करके इस परीक्षा में सफलता का परचम लहराया है।

पाली के रहने वाले आशुतोष के पिता जगदीश प्रकाश जांगिड जो कि राजस्थान सरकार में एक नर्सिंग अधिकारी हैं, ने इस सफलता के लिए परमात्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परमात्मा की अनुकम्पा से ही आशुतोष ने छोटी सी आयु में यह आशातीत उपलब्धि हासिल करके हाई कोर्ट और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश बनने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बचपन से ही उसने न्यायाधीश बनने का सपना संजोया था और अथक प्रयास और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए ही उसने अपना पहला पड़ाव पार कर लिया है।

आशुतोष के पिता राजस्थान सरकार में नर्सिंग आफिसर हैं और मां एम ए इंग्लिश है और कुशल गृहिणी के साथ-साथ धार्मिक प्रवृत्ति और उदात्त विचारों से ओतप्रोत होने के कारण ही आशुतोष की परवरिश करने में उसे उदात्त संस्कारों को आत्मसात करने में भरपूर सहायता मिली है। आशुतोष ने 10 वीं कक्षा सोजत सिटी और 11 वीं तथा 12 वीं कक्षा बिड़ला स्कूल पाली से पास की और एलएलबी की परीक्षा जून 2022 में और एल एल एम की परीक्षा भी मोहन लाल सुखाडिया विश्वविद्यालय से मार्च 2024 में पास की है।

एक साक्षात्कार में आशुतोष जांगिड ने बताया कि उन्होंने बचपन से ही अपना न्यायाधीश बनने का लक्ष्य निर्धारित कर लिया था और उस समय मैंने एक पंचतंत्र की कहानी पढ़ी थी जिसमें बिना किसी भेदभाव के पंचों द्वारा लोगों को न्याय प्रदान किया जाता है। जीवन में सफलता हासिल करने के मूल मंत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अपने ऊपर विश्वास होना चाहिए जिससे सफलता मिलना निश्चित है। उन्होंने अपनी सफलता के लिए श्रेय अपने माता-पिता और अपने बड़े भाई आदित्य जांगिड को दिया है, जिन्होंने उसका पग पग पर मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी न्यायायिक परीक्षा की तैयारी एलएलबी करते समय ही शुरू कर दी थी और इसका उसे पूरा लाभ मिला है।

उनकी प्राथमिकता के बारे में पूछे जाने पर आशुतोष जांगिड ने कहा कि न्यायायिक क्षेत्र में शामिल होकर लोगों को सस्ता और सुलभ न्याय प्रदान करने करवाने की उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि मेरा राजस्थान न्यायायिक सेवा की परीक्षा का परिणाम 29 सितम्बर 2022 को आया था और 4 अप्रैल 2023 को प्रशिक्षण के लिए उन्होंने एकेडमी में ज्वाइन किया था और एक साल के प्रशिक्षण के पश्चात 8 अप्रैल 2024 को जोधपुर में न्यायिक मजिस्ट्रेट के रूप में पहली नियुक्ति हुई है।

अपनी परीक्षा की तैयारी के बारे में पूछे जाने पर इसका विस्तृत उल्लेख करते हुए आशुतोष जांगिड ने कहा कि उसने 6-8 घण्टे हर रोज पढ़ाई करने के साथ-साथ ही अपने नोट्स भी बनाने शुरू कर दिए थे और इसके अतिरिक्त प्रतिदिन अपने निर्धारित टॉपिक को पूरा करके ही आराम करता था । अपनी सफलता का राज बताते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी लक्ष्य हासिल करना दुष्कर कार्य नहीं है, बस उसके पीछे लगन के साथ कठिन परिश्रम भी जरूरी है क्योंकि कठिन परिश्रम का कोई भी विकल्प नही है। युवा वर्ग को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि अपना लक्ष्य निर्धारित करके कठिन परिश्रम करें और हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण और आशावादी सोच के साथ आगे बढ़ने से ही आशातीत सफलता हासिल की जा सकती है ।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि आशुतोष जांगिड ने जिस आत्मविश्वास और ईमानदारी के साथ परिश्रम करके पहले प्रयास में ही न्यायायिक परीक्षा पास करके अपना लक्ष्य हासिल करने के साथ ही अपने सपनों को भी साकार किया है। उससे युवाओं में एक नया संदेश गया है कि परिश्रम, सत्यनिष्ठा और लगन के साथ मेहनत करने से सफलता अवश्य ही अर्जित होती है ।

उन्होंने कहा कि न्याय के क्षेत्र में जाकर आशुतोष जांगिड गरीबों को न्याय दिलाने की यथासंभव कोशिश करने के साथ ही उन्नति के शिखर पर अवश्य ही पहुंचेगें ऐसी मेरी मनस्कामना है। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं। **सम्पादक रामभगत शर्मा।**

अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस

संसार के सभी रिश्तों में माँ का रिश्ता सबसे पवित्र और सर्वोपरि है। माँ वही होती है जो हमें जन्म देती है, हमारा पालन-पोषण करती है और बिना किसी शर्त के हमारे सुख-दु:ख में हमारी सहयोगी बनती है। उनके अथाह त्याग, अपार स्नेह और नि:स्वार्थ प्रेम के आगे शब्द भी फीके पड़ जाते हैं। मातृ दिवस ऐसे ही पावन अवसर को कहते हैं, जिस दिन हम अपनी माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं और उनके ऋण को चुकाने का एक छोटा सा प्रयास करते हैं। हर साल मई महीने के दूसरे रविवार को पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस (Mother's Day) धूमधाम से मनाया जाता है।

''माँ'' शब्दों में बयां नहीं हो पाने वाला स्नेह, त्याग और ममत्व का प्रतीक रिश्ता है। मातृ दिवस उन महान हस्तियों को समर्पित है जिन्होंने जीवन को जन्म दिया, उसे संवारा और अनंत प्रेम से सींचा।

''माँ शब्द में छिपा है अनंत प्रेम,
जिसकी थाह ना पाए कोई गगन, धरती, तारक, सितारे।
माँ वो है जो देती है जीवन का आधार,
हर सुख-दु:ख में रहती है सदैव हमारे साथ।''

माँ का हृदय प्रेम का सागर है, त्याग का महासागर है, और ममत्व का ब्रह्मांड है। यह वो रिश्ता है जो जन्म के पहले से शुरू होकर, जीवन भर हमारा साथ निभाता है। माँ का स्पर्श ही वो जादू है जो हमारे हर गम को दूर करने का सामर्थ्य रखता है वह हर कदम पर हमारा मार्गदर्शन करती है और हमें सदैव सफलता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

प्रवीण शर्मा, नीमच

जमशेदपुर की स्वाति शर्मा 17वीं रैंक हासिल करके आई ए एस अधिकारी बनी

जीवन में आशातीत सफलता हासिल करने के लिए तीन सूत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और स्वाति शर्मा की सफलता के भी यही तीन सूत्र उसकी अभूतपूर्व सफलता के गवाह बने और यह मानना है जमशेदपुर झारखण्ड की रहने वाली स्वाति शर्मा का, जिन्होंने हाल ही में यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) द्वारा सन 2023 के नतीजे घोषित किए गए परीक्षा परिणाम में अखिल भारतीय स्तर पर इस प्रतिष्ठित परीक्षा में स्वाति शर्मा ने 17 वां रैंक हासिल करके न केवल अपने प्रदेश अपितु समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है और सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसने अपने पूरे झारखंड राज्य में भी टॉप किया है।

मानगो कालिका नगर के रहने वाले पूर्व सैनिक संजय शर्मा की लाडली बेटी, स्वाति शर्मा ने 17वां स्थान प्राप्त किया है और उनके पिता पूर्व सैनिक संजय शर्मा का कहना है कि बेटी स्वाति शर्मा ने यूपीएससी की परीक्षा में जमशेदपुर का तो नाम रोशन किया ही है इसके साथ ही समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में पूरे देश में रैंकिंग में 17वां स्थान लेकर समाज के युवाओं के लिए भी एक प्रेरणा स्रोत बनी है। स्वाति शर्मा के पिता सेना में थे और इसीलिए उनकी शुरुआती पढ़ाई देश के विभिन्न हिस्सों में हुई। स्वाति ने अपनी 10वीं की परीक्षा आर्मी सेकेण्डरी स्कूल कोलकाता से पास की और उसके पश्चात 12वीं कक्षा साकची स्थित टैगोर एकेडमी से पूरी की। इसके पश्चात् सन् 2019 में उन्होंने बिष्टुपुर स्थित जमशेदपुर महिला कालेज से राजनैतिक विज्ञान, (पालीटिकल साइंस) में स्नातकोत्तर की परीक्षा पास की और यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी और इस में माता-पिता के आशीर्वाद से आशातीत सफलता भी मिली है।

इस प्रतिष्ठित परीक्षा में आशातीत सफलता मिलने के बारे में पूछे जाने पर स्वाति शर्मा ने कहा कि हां मुझे विश्वास था कि परमात्मा की अनुकम्पा से यूपीएससी अवश्य ही क्रैक करूंगी, क्योंकि मेरे पेपर और साक्षात्कार बहुत ही अच्छा हुआ था, लेकिन मुझे यह उम्मीद बिल्कुल भी नहीं थी कि इस प्रतिष्ठित परीक्षा में इतना बेहतर रैंकिंग हासिल होगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि हर सफलता के पीछे माता-पिता का आशीर्वाद होता है और सच कहूं तो मेरे माता-पिता ने जो सपना मेरे बारे में सोचा था, उसको मैंने अपने परिश्रम और पुरुषार्थ से पूरा करके दिखलाया है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि सफलता अवश्य ही मिली है तो खुशी का एहसास भी होना स्वाभाविक है, जैसे हम दौड़ते हैं तो, उस समय पसीना आता है, जिस समय मंजिल पर पहुंचते हैं तो ठंडक का अहसास होता है। ऐसे ही यह आशातीत सफलता मिलने से दिमाग का तनाव और दबाव एक दम समाप्त हो गया है और एक नए पन का अहसास हो रहा है। स्वाति शर्मा का मानना है कि भौतिक सफलताएं मेहनत पर ही निर्भर करती हैं और सफलता मिलने के बाद अपनी जिम्मेदारियां को कैसे निभाना है इसके लिए हमारा अध्यात्म चिंतन मार्गदर्शन का कार्य करता है।

स्वाति शर्मा ने अपने अनुभव के आधार पर सफलता प्राप्त करने के तीन मूल सूत्र बताए और इनमें से एक प्रतियोगी को जो पाइंट अच्छा लगता है उसे अपने जीवन में सफलता हासिल करने के लिए आत्मसात कर सकते हैं। इन सूत्रों को आप अपने जीवन में उसे उतारें, उसी पर अमल करें पहला मंत्र है जो भी कमी रह गई उसको स्वीकार करने की हिम्मत और साहस आप में होना चाहिए और इसके बाद उन खामियों में सुधार करके दोबारा सफलता हासिल की जा सकती है।

2-दूसरा आप खुद के साथ हमेशा ईमानदार बने रहिए आपको खुद से ही अपना इमानदारी से मूल्यांकन करना है और आपको सहज रूप से ही पता चल जाएगा कि आपकी संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास करने

की क्षमता क्या है और आप कहां पर स्टैंड कर रहे हैं, तभी हम आगे अपने क्षेत्र में बढ़ पाएंगे।
3–तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि मेरे परिवार का मुझे पूरा सपोर्ट, मदद, समर्थन, सहायता, रक्षा, भरोसा, सहारा, प्रोत्साहन मिला है और क्या मेरे परिवार का अटूट विश्वास और भरोसा मुझ पर रहा है और यही परिवार का विश्वास और मेरा समर्पण के साथ कार्य करना सफलता का सबसे बड़ा हथियार बन गया है। जहां तक इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल करने का प्रश्न है के यह तीन सूत्र मेरी जिंदगी की सफलता के गवाह बने हैं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने स्वाति शर्मा के आई ए एस बनने पर बधाई देते हुए कहा कि यह उसकी कठोर साधना और परिश्रम का प्रतिफल है कि जमशेदपुर की रहने वाली विश्वकर्मा समाज की बेटी स्वाति शर्मा युवाओं के लिए एक ऑइकन बन गई हैं। उन्होंने समाज के युवाओं से आग्रह किया कि वह उच्च शिक्षा ग्रहण करने को अपना लक्ष्य बनाए और आज के इस आधुनिक डिजिटल युग में केवल मात्र गुणात्मक शिक्षा के माध्यम से ही जीवन में सफलता के नए आयाम स्थापित कर सकते हैं । उन्होंने स्वाति शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की है।

नरेंद्र शर्मा परवाना, पत्रकार सोनीपत।

भगवान बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

मैं समस्त महासभा रुपी परिवार को 23 मई को मनाई गई बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। भारत की इस पावन धरा पर समय–समय पर ऋषि मुनियों और सन्त महात्माओं ने जन्म लेकर इसे उपकृत किया है और भगवान बुद्ध ने भी अवतार ग्रहण करके इस पावन धरा को अपने उच्च आदर्श मूल्यों और महान् संस्कारों से पुष्पित और पल्लवित किया है।

भगवान महात्मा बुद्ध का प्राकट्य दिवस बैसाख की पूर्णिमा को मनाया जाता है । एक मान्यता के अनुसार भगवान बुद्ध को भगवान विष्णु का 9 वां अवतार माना गया है और इसके साथ ही देश के इतिहास में बुद्ध पूर्णिमा का भी धार्मिक दृष्टि विशेष महत्व है, क्योंकि इसी दिन भगवान विष्णु हरि के 9 वें अवतार के रूप मे प्रकट हुए थे। सदाशयता की प्रतिमूर्ति और **अहिंसा परमो धर्म अस्ति** के नारे को चरितार्थ करने वाले, महात्मा बुद्ध के आदर्श और शिक्षा आज भी मानवता का मार्ग प्रशस्त कर रहीं हैं।

वैशाख पूर्णिमा के दिन, महात्मा बुद्ध को इसी दिन पीपल के बोधि वृक्ष के नीचे ही ज्ञान प्राप्त हुआ था। मेरी मनस्कामना है कि भगवान महात्मा बुद्ध की अनुकम्पा से, इस महासभा रुपी परिवार के सदस्यों पर सदैव ही बनी रहेगी।

प्रधान रामपाल शर्मा।

रौनक जांगिड ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12 वीं परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक हासिल किए।

शिक्षा हासिल करना और परीक्षा में बेहतर अंक हासिल करना एक विधार्थी के अथक परिश्रम और समर्पण पर निर्भर करता है और इसी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही रौनक जांगिड सुपुत्री मुकेश कुमार जांगिड ने 13 मई को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 12 वीं कक्षा के परिणाम घोषित किए गए और इस बोर्ड की परीक्षा में कॉमर्स में रौनक जांगिड ने 95 प्रतिशत अंक हासिल करके न केवल अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है अपितु अपने परिवार और समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है।

रौनक के पिता मुकेश कुमार जांगिड जोकि भारतीय सेना में सूबेदार के पद पर कार्यरत हैं और मूल रूप से बडागावं जिला झुंझुनूं के रहने वाले हैं ने बताया कि रौनक जांगिड ने वाणिज्य विषय लिया हुआ है और सीबीएसई बोर्ड की 12वीं कक्षा में वाणिज्य विषय में उसने 95 प्रतिशत अंक हासिल करके अंक प्राप्त करके अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है और माता श्रीमती सरिता जांगिड और पिता तथा समाज का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में सी ए बनना चाहती है और उसके पश्चात भारतीय प्रशासनिक सेवा की प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेकर एक उच्च अधिकारी बन कर देश की सेवा करना चाहती है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने रौनक जांगिड ने अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन के माध्यम से जो अनुकरणीय उपलब्धि हासिल की है उसके लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि वह भविष्य में अपने सपनों को मूर्त रूप देने के लिए इसी प्रकार से अधिक परिश्रम और पुरुषार्थ करके अपने उच्च शिक्षा के संकल्प को पूरा करते हुए माता पिता के साथ साथ समाज का नाम भी चमकाने का काम करेगी। मैं रौनक जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार, कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड और महामंत्री कैलाश शर्मा सालीवाले ने भी हार्दिक बधाई देते हुए रोनक जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की है।

जिलाध्यक्ष झुंझुनूं

भगवान परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं।

भगवान विष्णु के छठे अवतार, भक्ति, शक्ति और पराक्रम के द्योतक और भगवान शिव के धनुष की रक्षा करने वाले और अपने असीम ज्ञान, शौर्य व तपोबल से न्याय की स्थापना करने वाले भगवान परशुराम की जयंती पर बधाई। यह जयन्ती 10 मई को मनाई गई। इस पावन दिवस पर मैं महासभा रुपी परिवार को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

शस्त्र और शास्त्र के समन्वय के प्रतीक भगवान श्री परशुराम जी का जन्म अक्षय तृतीया को हुआ था और इसलिए उनकी शस्त्र शक्ति भी अक्षय है और इसके साथ ही शास्त्र सम्पदा भी अनन्त और असीम है और वह दिव्य शक्तियों में पारंगत हैं। भगवान शिव के अनन्य भक्त हैं। उनका जन्म भृगु वंश में ऋषि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ। उन्होंने धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए ही इस धरा पर अवतार लिया था और संसार से अत्याचारों का विनाश किया था। आओ हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि भगवान परशुराम जी के दिखलाए गए रास्ते पर चलते हुए अत्याचारी व्यक्तियो का विरोध करने का संकल्प लें तभी आपका जीवन सार्थक होगा।

प्रधान रामपाल शर्मा।

पंचकूला की रहने वाली इशिता जांगिड ने जिला पंचकूला में +2 मेडिकल में सर्वाधिक अंक हासिल किए।

14 मई को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित हुआ है और इस परीक्षा में जांगिड समाज की होनहार बेटी इशिता जांगिड ने अपनी प्रतिभा और योग्यता के बल पर यह सिद्ध करके दिखलाया है कि परिश्रम ही सफलता के द्वार खोलता है। सभी चीजें बोनी पड़ जाती हैं। पंचकूला की रहने वाली इस होनहार बेटी इशिता जांगिड ने, +2 मेडिकल स्ट्रीम में 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करके पंचकूला जिले में टॉप पोजीशन प्राप्त करके अपना परचम लहराया है। उन्होंने माता-पिता के साथ-साथ जांगिड समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है और उसने अपनी मां को यह मदर डे का शानदार उपहार दिया है। उन्होंने कुल 500 अंकों में से 489 अंक हासिल किए हैं।

इशिता के दादा रामेश्वर जांगिड, जो कि एच एम टी से सेवानिवृत्त हुए हैं और उनकी दादी संतोष जांगिड ने बताया कि इशिता ने जिस तरह से हर रोज 6-7 घण्टे पढ़ाई की है उससे हमें ऐसा लगता था कि वह परीक्षा में बेहतर अंक हासिल करेगी, लेकिन यह नहीं पता था कि वह मेडिकल स्ट्रीम में स्कूल के साथ-साथ अपने जिले में भी पहला स्थान हासिल करेगी।

इशिता के पिता नरेन्द्र जांगिड दिल्ली में अपना प्राईवेट व्यवसाय करते हैं और ईशिता की मम्मी संगीता जांगिड जो कि एक सुघड़ गृहणी है और स्नातक और बी एड है, ने इशिता का कदम कदम पर मार्गदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि इशिता अपने कार्य के प्रति बड़ी ही सजग है और इसके साथ ही उसे पेंटिंग और बैडमिंटन खेलना भी बहुत पसंद है।

इशिता ने कहा कि यह मेरी उपलब्धि नहीं अपितु मां पिता और दादा दादी का आशीर्वाद और पिता जी के प्रोत्साहन का ही प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि मैं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली जैसे देश के किसी प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज से एम बी बी एस और एम एस की डिग्री हासिल करके मानवता और विशेषकर गरीबों की सेवा करना चाहती हूं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने इशिता को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि भविष्य में उसके लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बनेगी। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं। हरियाणा प्रदेश सभा के अध्यक्ष खुशी राम जांगिड ने कहा कि प्रदेश सभा द्वारा अगस्त 2024 में आयोजित किए जाने वाले सम्मान समारोह में उसे सम्मानित किया जाएगा। पंजाब प्रदेश सभा के अध्यक्ष गिरवर जांगिड ने भी इशिता के घर जाकर उसकी सफलता पर बधाई दी है।

जांगिड ब्राह्मण सभा, चंडीगढ़, पंचकूला और मोहाली के प्रधान रामफल जांगिड महासचिव ऐडवोकेट दिनेश जांगिड, मुख्य संरक्षक ओमप्रकाश शर्मा, संरक्षक अशोक महल, पूर्व प्रधान रामभगत शर्मा, पूर्व महासचिव सन्त राज जांगिड और जी एस टी के सहायक आयुक्त मनीराम जांगिड ने भी इशिता को हार्दिक बधाई देते हुए उसके डाक्टर बनने के सपने को साकार होने के लिए परमात्मा से प्रार्थना की है।

मनीराम जांगिड, सहायक आयुक्त,
चंडीगढ़।

तनिषा जांगिड ने नैशनल ओपन हंट बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

जीवन में सफलता पाने के लिए स्पष्ट लक्ष्य के साथ-साथ उस रास्ते में आने वाली चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है और उस साधक को तीव्र जिजीविषा और इच्छाशक्ति का प्रतिफल समय आने पर अवश्य ही सार्थक मिलेगा और इस उक्ति को चरितार्थ करके दिखलाया है, गांव बरहाना जिला झज्जर की रहने वाली तनिषा जांगिड ने, जिसने अप्रैल में हुई नैशनल ओपन हंट बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में 54-57 भार वर्ग कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीतकर न केवल अपने माता-पिता का अपितु जांगिड समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है। इस प्रतियोगिता का आयोजन 30 मार्च से 15 अप्रैल तक सांई स्टेडियम में किया गया था, जिसमें देश के सभी राज्यों के लगभग 180 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा को परिलक्षित किया और पुरस्कार हासिल करके खेल की उत्कृष्ट भावना का परिचय भी दिया।

तनिषा का जन्म ग्रामीण परिवेश में पिता राकेश कुमार जांगिड और माता श्रीमती नीरज कुमारी जांगिड के घर 26 नवंबर 2008 में गांव बरसाना जिला झज्जर में, हुआ और तनिषा की रुचि बचपन से ही खेलों में रहीं है और उसने बॉक्सिंग का खेल इसीलिए चुना कि वह प्रसिद्ध बॉक्सर मेरीकॉम बनना चाहती है ताकि देश का नाम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया जा सके। इसलिए वह स्तर बॉक्सिंग स्पोर्ट्स क्लब रोहतक में एकेडमी रोहतक में दाखिला लेकर सन् 2020 से अभ्यास कर रही है और इसी का परिणाम है कि तनिषा जांगिड ने इससे पहले भी बॉक्सिंग में मैडल जीते हैं। तनिषा अभी 15 वर्ष की है और उसने सैंट पाल भारती स्कूल रोहतक से अपनी दसवीं कक्षा पास की है।

तनिषा के पिता सरकारी ठेकेदार हैं और माता श्रीमती नीरज कुमारी जांगिड एक गृहिणी हैं, लेकिन अपने बच्चों को पढ़ाई और खेल की सुविधाएं उपलब्ध करवाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही है और उसकी अभिरुचि के अनुसार ही उसे रोहतक की खेल एकेडमी में दाखिला दिलवाया गया है। उनकी माता श्रीमती नीरज कुमारी जांगिड ने बताया कि तनीषा ने सबसे पहले उत्तर राष्ट्रीय टेंलट हंट बॉक्सिंग चैम्पियनशिप सितंबर 2023 में स्वर्ण पदक जीता था और दूसरा स्वर्ण पदक ग्रामीण विद्युतिकरण निगम द्वारा आयोजित खेलों इंडिया प्रतियोगिता में संयुक्त राष्ट्रीय टेंलट प्रतिभा खोज में जीता था और इस प्रतियोगिता का आयोजन मार्च अप्रैल में किया गया था।

ठेकेदार राकेश कुमार जांगिड ने कहा कि सांई के द्वारा ग्रामीण विद्युतिकरण निगम द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय बॉक्सिंग फैडरेशन के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर टेलंट हंट बॉक्सिंग कार्यक्रम 2024 का आयोजन किया गया था, जिसका एकमात्र उद्देश्य था अखिल भारतीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं की खोज करना था और इसमें भी तनीषा ने 54-57 भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया है। उन्होंने कहा कि तनीषा जहां खेल के माध्यम से अपने गांव और समाज तथा देश का नाम रोशन करना चाहती है और वह अपना आदर्श मेरीकॉम को मानती है। उन्होंने याद दिलाया कि जांगिड समाज की हिसार की प्रियंका जांगिड ने एक बार बॉक्सिंग में मेरीकॉम को भी हराया था। इसी प्रकार हिसार से समाज के एक बहुत बड़े अर्जुन अवार्ड विजेता मनदीप जांगिड हुए हैं जो विदेशो में बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने तनीषा जांगिड को उसकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा है कि तनिषा इतनी छोटी आयु में जिस प्रकार से अपनी अतुलनीय खेल प्रतिभा का परिचय दे रही उससे उसका भविष्य बड़ा ही उज्ज्वल और गौरवमय है। मैं महासभा रुपी परिवार की तरफ से आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह परिवार आपका मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ आपको बहुत सारा आशीर्वाद देता है ताकि तुम प्रियंका जांगिड का सपना जो मेरीकॉम को हराने के बाद भी अधूरा रह गया था उसको पूरा करके एक नया कीर्तिमान स्थापित कर सको।

मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं। **सम्पादक रामभगत शर्मा।**

पैसे से नहीं अपितु उच्च संस्कारों से व्यक्ति महान बनता है।

आज हम इस आधुनिक और तकनीकी युग में प्रवेश कर गए हैं और पैसा कमाने की इस लालसा और अभिलाषा तथा होड़ में आज परिवारों में विघटन हो रहा है और आज हम इस तथ्य का भली-भांति गहराई से अध्ययन करें तो हमें मालूम होगा कि आज जो पारिवारिक जीवन में तनाव और दबाव के साथ ही आपसी सहयोग और समर्थन की भावना विलुप्त हो रही है और परिवारों और यहां तक कि भाईयों में भी आपसी मतभेद उभर कर सामने आ रहे हैं तथा आज परिवार की पृष्ठभूमि भी सिमटकर रह गई है और परिवार की ईकाई में केवल पति-पत्नी और अपने बच्चों तक ही सीमित होकर रह गई है। माता-पिता की जगह तो आज वृद्धाश्रमों में बनती जा रही है और ऋषि मुनियों के इस देश में यह परिस्थितियां पाश्चात्य सभ्यता और संस्कृति के असीम प्रभाव के कारण ही परिलक्षित होती जा रही हैं। हमारे ऋषि-मुनियों और संत महात्माओं ने इस भारत देश की संस्कृति को महान बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी थी और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में भारत विश्व गुरु माना जाता था।

लेकिन आज इस आधुनिकता के युग में सभी पुरानी मान्यताएं और परम्पराएं बदल रही है और इसके साथ ही उदात्त मानवीय मूल्यों का भी निरन्तर ह्रास हो रहा है। भगवान श्री राम और भगवान श्रीकृष्ण की पावन धरा पर जहां उन्होंने मानवता के कल्याण के लिए अवतार ग्रहण किया और अपने आदर्शो और सिद्धांतों के लिए भगवान श्रीराम ने राज सिंहासन को भी ठोकर मार दी थी। क्या आप सोच सकते हैं कि भगवान श्रीराम को जिस समय राजा दशरथ द्वारा, महारानी कैकई को दिए गए दो वरदान देने के बारे में पता चला तो **भगवान श्रीराम ने सहज भाव से कहा कि की बस इतनी छोटी सी बात है और यह तो मेरा सौभाग्य है कि मुझे अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करने के साथ-साथ वन में ऋषि मुनियों के दर्शन करने का भी सौभाग्य भी प्राप्त हो सकेगा** यह सब भगवान श्रीराम के उदात्त संस्कारों और नैतिक मूल्यों तथा उन उच्च संस्कारों का ही परिणाम है कि उन्होंने जहां सुबह होते हैं राज सिंहासन पर बैठना था, वहीं 14 वर्ष के लिए वनवास में चले गए आज इस कलयुग में उन आस्तिक लोगों को ऐसी बातों पर विश्वास नहीं होता जिनकी सोच नकारात्मक हो चुकी है आज के आधुनिक युग में भगवान श्रीराम के आदर्श और उच्च संस्कारों को आत्मसात करने की महत्ती आवश्यकता है।

आधुनिक युग में समय के बदलते हुए इस परिवेश में आज संस्कारों का नहीं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के युग में मुकाबला, इस बात का है कि कौन अधिक पैसा कमाकर अपने जीवन को कितना ऐश और आराम परस्त बना सकता है, लेकिन उदात्त और उच्च संस्कारों के अभाव में कमाया गया अर्थ आज बिल्कुल अर्थहीन लग रहा है। आज के इस मशीनीकरण के युग में विडंबना यह है की माता-पिता के पास बच्चों के लिए समय ही नहीं है और इसका धीरे-धीरे प्रभाव युवा पीढ़ी पर भी पड़ रहा है और धीरे-धीरे युवा पीढ़ी भी अपने माता-पिता को एक बोझ समझने लगते हैं और वही यही कारण है कि छोटे-छोटे बच्चों को जो संस्कार दादा-दादी दे सकते हैं वह उन छोटे बच्चों को नहीं मिल नहीं पाते हैं वह आभास माता-पिता को इस बात का अहसास करवाते हैं कि वास्तव में उन्होंने एक बहुत बड़ी भूल कर दी है, उन्होंने अपने बच्चों को सभी सुख सुविधाएं तो प्रदान की है लेकिन एक बहुत बड़ी गलती हो गई कि अपने बच्चों को बेहतर संस्कार नहीं दे पाए और टीस उन्हें जीवन परेशान करती रहेगी। जहां तक मैं समझता हूं कि आज के इस जमाने में पैसे से सब कुछ खरीदा जा सकता है लेकिन संस्कारों को नहीं खरीदा जा सकता है क्योंकि संस्कार केवल विरासत में ही मिल सकते हैं। मां की उस वेदना और पिता की निश्छल प्रेम की भाषा को संस्कारहीन व्यक्ति कभी भी नहीं समझ सकता है। क्योंकि संस्कारहीन व्यक्ति की मनोवृति के साथ-साथ उसकी संवेदनाएं भी मर जाती है और यह बात अक्षर देखने में आती है कि जिस समय बेटा बड़ा होकर खुद कमाने लग जाता है और वह बात-बात पर अपने बच्चों की तरफदारी करते हुए अपने मां बाप का तिरस्कार और अपमान कर बैठता है और घमंड करने लगता है वह इस बात को एक क्षण के लिए भूल जाता है कि यह वही मां है जो खुद गीले में सोती थी और अपने बच्चों के बीमार होने पर सारी सारी रात बिना पलक झपकते हुए जागकर परमात्मा से उसके शीघ्र स्वस्थ होने की मनोकामना करती रहती थी और पिता भी इस परिस्थिति में अपनी धर्मपत्नी का साथ देता था।

लेकिन सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आज हम अपने बच्चों को वह सुख सुविधाएं तो दे रहे हैं लेकिन वह संस्कार रूपी अमृत जो उनको भविष्य में असली मानव बनाएगा उनको दे नहीं पाते हैं। इसलिए मेरा मानना है कि अब अपने बच्चों को गुणवान और शिक्षित बनाने का संकल्प लेने के साथ-साथ उन्हें संस्कार और उदात्त मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं से परिपूर्ण करने का भी प्रयास करें क्योंकि संस्कार ही जीवन की असली वास्तविक पूंजी होती है और यही वास्तविकता का असली पैमाना है। इसलिए मेरा सभी अभिभावकों से विनम्र अनुरोध है कि अपने बच्चों को संस्कार देने के साथ-साथ माता-पिता का की इज्जत और उनका मान सम्मान करने की शिक्षा भी प्रदान करें धन और वैभव तो चलायमान है, लेकिन संस्कार अमूल्य धरोहर है। इसलिए अगर किसी व्यक्ति में संस्कार ही उसको सबसे महान बनाते हैं और वही उसे जीवन में वास्तविकता प्रदान करते हैं इसलिए माता-पिता को अपने बच्चों को सुसंस्कृत और उदात्त मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण बनाने का स्तुत्य प्रयास करना चाहिए ताकि देश में वृद्ध आश्रमों की विकसित होने वाली परम्पराओं को रोका जा सके। आओ सब मिलकर इस अभियान में इस समाज को एक संवेदनशील और हृदय स्पर्शी समाज बनाने के लिए स्वयं भी उच्च संस्कारों का पालन करें और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए उन्हें उच्च और उदात्त आचरण और संस्कार सम्पन्न बनाने का प्रयास करें जो हमारे देश और समाज की अमूल्य धरोहर और पूंजी है।

रामानंद शर्मा दिल्ली

*****

महिला शक्ति का विश्व में योगदान का महत्व

महिलाओं का वर्चस्व हर क्षेत्रों में है। इसलिए विश्व भर में मजबूत महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में मिलती हैं। 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हैं। इस पर चर्चा भी होती है, आज भी चर्चा कर रहे हैं। लेकिन वास्तविकता तो यह है कि हमें हर पल इसकी अहमियत को समझने की आवश्यकता है।

चलिए यह जानकारी उन प्रबुद्ध पाठकों के लिए जो विद्वान है लेकिन अपना ज्ञानवर्धन करने के लिए उत्सुक रहते हैं। तो आज हम राजनीत, खेल, धर्म अध्यात्म, संस्कृति सभ्यता में महिलाओं के बारे में जानेंगे और नारी शक्ति के कई महत्वपूर्ण विषय हैं, जो महिलाओं के अधिकारों, सम्मान, और सामाजिक स्थितियों को संवारने में मदद करते हैं। हम इस पर भी चर्चा करेंगे।

राजनीति और महिलाएं: एक नजर में महिला शक्ति को जान लें विश्व स्तर पर एंजेला मर्केल (जर्मनी), जसिन्दा अर्दर्न (न्यूजीलैंड), कमला हैरिस (संयुक्त राज्य अमेरिका), मेर्केल फ्रीडे (नार्वे) इंदिरा गांधी, सुषमा स्वराज (भारत) जैसी महिलाएं राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली रही हैं।

खेल में महिला शक्ति का स्वरुप देखें सेरेना विलियम्स (टेनिस), पीवी सिंधु (बैडमिंटन), सिमोना हेलेप (टेनिस), मारिया शारापोवा (टेनिस) जैसी महिलाएं खेल के क्षेत्र में प्रमुख स्थान रखती हैं। अब बात करते हैं धर्म और अध्यात्म में महिलाओं की उपस्थित: माता अमृतानंदमयी (हिन्दू धर्म), दलाई लामा (बौद्ध धर्म) माता सुदीक्षा जी महाराज (संत निरंकारी मिशन) जैसी महिलाएं अपने-अपने क्षेत्र में आध्यात्मिक गुरु के रूप में विख्यात हैं।

संस्कृति और सभ्यता: महात्मा गांधी की पत्नी कस्तुरबा गांधी, मदर टेरेसा, मार्गरेट थैचर जैसी महिलाएं समाज में संस्कृति और सभ्यता के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। भारत में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने वाली: इंदिरा गांधी, सारा भारद्वाज, किरण बेदी जैसी नेत्रियों ने भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अब महिलाओं हिंदू धर्म में नारी शक्ति के कई महत्वपूर्ण विषय हैं, जो महिलाओं के अधिकारों, सम्मान, और सामाजिक स्थिति को संवारने में मदद करते हैं। इस महत्वपूर्ण विषय पर हम चर्चा करते हैं। इसके दस बिंदुओं को जान लें

1. शक्ति का उत्थान: हिंदू धर्म में मां देवी को शक्ति का स्वरूप माना जाता है, जो महिलाओं के प्रति शक्ति का प्रतीक है।

2. गौरव: मातृत्व को बहुत उच्चतम गौरव दिया जाता है, जिससे माताओं को विशेष सम्मान मिलता है।

3. धर्मिक आदर्श: हिंदू धर्म में महिलाओं को धर्मिक आदर्शों का पालन करने का महत्व दिया जाता है।

4. सम्मान: पति-पत्नी के बीच सम्मान के भाव को बढ़ावा दिया जाता है।

5. शिक्षा: महिलाओं को शिक्षा का महत्व समझाया जाता है, और उन्हें शिक्षा का अधिकार प्रदान किया जाता है।

6. स्वतंत्रता: महिलाओं को स्वतंत्रता के अधिकार और स्वतंत्रता के साथ अपने निर्णय लेने का हक प्रदान किया जाता है।

7. धर्मोपदेश: महिलाओं को धर्म के माध्यम से शिक्षा दी जाती है और उन्हें धार्मिक जीवन जीने की प्रेरणा दी जाती है।

8. समाज में भागीदारी: महिलाओं को समाज में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाता है, जो उन्हें सामाजिक संरचना में शामिल करता है।

9. आध्यात्मिक उत्थान: महिलाओं को आध्यात्मिक उत्थान के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे वे अपने आत्मा के विकास में सक्षम हों।

10. सामाजिक समरसता: समाज में समरसता और सामाजिक न्याय की प्रतिष्ठा को बढ़ावा दिया जाता है, जिसमें महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण होता है। यह विषय महिलाओं के सम्मान, समरसता, और समाज में उनके योगदान को मजबूत करने में मददगार हैं।

अब यह भी जान लेते हैं कि नारी शक्ति का स्वरूप माना जाता है क्योंकि महिलाएं समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह उनकी सक्षमता, साहस, और सामाजिक प्रभाव को दर्शाता है।

1. सामाजिक और आर्थिक सक्षमता: नारी शक्ति का स्वरूप समाज में महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक सक्षमता को बढ़ाता है। जब महिलाएं शिक्षित होती हैं, काम करती हैं, व्यापार करती हैं, और समाज में सक्रिय भागीदारी करती हैं, तो उनकी स्थिति मजबूत होती है।

2. समाज में योगदान: महिलाओं का सक्रिय भागीदारी समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है। वे शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक क्षेत्रों में नेतृत्व दिखाकर समाज को सुधारने में मदद करती हैं।

3. साहस और विश्वास: नारी शक्ति का स्वरूप महिलाओं के अंदर का साहस और आत्मविश्वास दर्शाता है। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए उत्साहित होती हैं और संघर्ष करती हैं। इसलिए नारी शक्ति समाज में समानता, न्याय और समृद्धि की दिशा में प्रोत्साहित किया जाता है।

नरेंद्र शर्मा परवाना

संपादक- ज्ञान ज्योति दर्पण

भगवान श्री विश्वकर्मा प्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन 24 अप्रैल को किया गया।

भगवान विश्वकर्मा शिल्प और विज्ञान के देवता हैं, जिन्होंने इस सृष्टि का निर्माण किया है और विश्व में जितनी भी अलौकिक और अद्‌भुत कलाकृतियों का निर्माण किया गया है उसके पीछे भगवान विश्वकर्मा की ही प्रेरणा है। शिव पुराण में वर्णित है कि प्रथम पूजनीय श्री गणेश जी महाराज के फेरों को भगवान शंकर के आदेश से भगवान श्री विश्वकर्मा ने ही पूर्ण करवाया था। अनेक भव्य प्रसादों और विभिन्न प्रकार के अस्त्र शस्त्रों के निर्माता जिनमें द्वारका पुरी और इन्द्र पुरी शामिल हैं का निर्माण करने वाले भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन डीडवाना कुचामन जिले के नवा तहसील के ग्राम चौसला में श्री विश्वकर्मा सेवा समिति निमाड़ी वाले बालाजी धाम के तत्वाधान में जांगिड समाज द्वारा 24 अप्रैल को किया जहां पर भगवान श्री विश्वकर्मा के मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

इसके साथ ही समिति द्वारा जांगिड समाज का प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। इस समारोह के के आयोजन के क्रम में पहले दिन 22 अप्रैल को भव्य जागरण का आयोजन किया गया जिसमें भगवान विश्वकर्मा के आलौकिक कार्यो के बारे में जागरण में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई गई। इसी प्रकार 23 अप्रैल को प्रातः काल भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें समाज की सैकड़ों महिलाओं ने राजस्थानी परिधान में सभी दर्शकों का मन मोह लिया तथा इसके साथ ही श्री हनुमान जयंती कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

24 अप्रैल को भगवान श्री विश्वकर्मा की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं प्रथम जांगिड समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस विवाह समारोह में एक दम्पति मुकेश जांगिड और जाह्नवी जांगिड ने सात फेरे लिए और जीवन भर एक दूसरे का साथ निभाने का वायदा किया। इस दम्पति की विदाई के अवसर पर समिति द्वारा सभी घरेलू आवश्यक उपयोगी सामान भी दिया गया। इस घरेलू सामान में फर्नीचर, स्टील की अलमारी, फ्रीज, पायल, मंगल सूत्र, कान की बाली, एल ई डी टी वी, कूलर सिलाई मशीन बर्तन सैट शामिल है। लोगों की दान देने की भावना का स्वागत करते हुए विवाह समारोह समिति के अध्यक्ष कैलाश दहमन ने उन सभी महानुभावों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस अवसर पर नव दम्पति को आशीर्वाद देने के साथ ही अपनी श्रद्धानुसार घरेलू उपयोगी सामान भी उपलब्ध करवाया है।

इस अवसर पर नव दम्पति को आशीर्वाद देते हुए जांगिड रत्न और महासभा के पूर्व महामंत्री मोहन लाल दायमा ने कहा कि समिति का यह प्रयास एक सराहनीय कदम है। आज के युग में गरीब बच्चों की शादी

और उनको शिक्षा दे पाना बड़ा ही दुष्कर कार्य है। उन्होंने समाज के संभ्रांत लोगों से विनम्र करबद्ध प्रार्थना की कि इस प्रकार के आयोजन के माध्यम से अपने बच्चों की शादी करें। इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, पवार और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल ने नवदम्पत्ति को बधाई देते हुए उसके सुखमय जीवन की परिकल्पना करते हुए कहा कि आज समाज में सामूहिक विवाह को बढ़ावा दिए जाने की महत्ती आवश्यकता है। सामूहिक विवाह के माध्यम से जहां दहेज प्रथा पर अंकुश लगेगा, वहीं समाज के गरीब लोगों के लिए यह एक वरदान के रूप में सिद्ध होगा। उन्होंने याद दिलाया कि प्राचीन समय में भी स्वयंबर के माध्यम से विवाह के आयोजन की परम्परा रही है और आज भी यह समय की जरूरत है कि जो पैसा शादी पर खर्च किया जाता है। वह खर्च आप अपने बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करे और सक्षम होने पर बच्चों के विवाह में कोई परेशानी नहीं होगी।

इस अवसर पर विश्वकर्मा समिति के अध्यक्ष रामेश्वर लाल दहमन द्वारा समिति की तरफ से सभी आगंतुक मेहमानों का स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। विवाह समारोह समिति के अध्यक्ष कैलाश दहमन ने कहा कि इस विश्वकर्मा सेवा समिति का यह पहला अनुभव था और आगामी सत्र में सामूहिक विवाह सम्मेलन में और अधिक जोड़ो की शादी करने का प्रयास किया जायेगा और इस बारे में विस्तृत रूप से व्यापक जानकारी समाज के लोगों तक विभिन्न माध्यमों से पहुंचाने का प्रयास किया जायेगा ताकि अधिक से अधिक लोग इस महापुण्य के कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

उन्होंने उन दानवीर लोगों और भामाशाहों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने घरेलू सामान उपलब्ध करवाया उनमें कैलाश जांगिड, सत्यनारायण दहमन, बजरंग जालोडिया, गेन्दी देवी धर्म पत्नी गंगा राम बोल्या, बजरंग तिरातिया, रामेश्वर, शिव दयाल पुखराज दहमन शामिल हैं।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में जांगिड कर्मचारी समिति के अध्यक्ष बृज किशोर जांगिड, अजीत मांडन, महासभा के मिशन डेढ़ लाख के प्रभारी रामजी लाल जांगिड एवं प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वकर्मा सेवा समिति नीमड़ी वाले बालाजी धाम ग्राम चोसला के अध्यक्ष रामेश्वर लाल दहमन, मंदिर के प्रमुख भामाशाह बजरंग लाल तिरानिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनंदी लाल हर्षवाल, उपाध्यक्ष गोपाल दहमण, कोषाध्यक्ष भंवरलाल अड़ीचवाल, उप मंत्री जगदीश प्रसाद रोल्या, व्यवस्थापक शिवदयाल दहमण, सलाहकार सलीम मालचंद अड़ीचवाल, विवाह समिति के उपाध्यक्ष पुखराज दहमण विवाह समिति के मंत्री भंवरलाल रोहलीवाल एवं उनकी संपूर्ण कार्यकारी ने सभी समाज बंधुओ भामाशाहों तथा कार्यकर्ताओं का कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुकेश जांगिड, जयपुर।

श्री विश्वकर्मणे नमः

Save the Date

मनवार पत्रिका

आमंत्रण

परम् सम्माननीय,

समस्त प्रदेशाध्यक्ष,

महासभा कार्यकारिणी पदाधिकारीगण एवं प्रबुद्ध समाज बंधु,

बड़े सौभाग्य एवं हर्ष का विषय है कि अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा- दिल्ली कार्यकारिणी की आगामी त्रैमासिक मीटिंग का आयोजन शेखावाटी के सीकर शहर में होना निश्चित हुआ है। आप सभी देवतुल्य अतिथियों के स्वागत सत्कार एवं समाज कल्याण हेतु महासभा की कार्यकारिणी के प्रबुद्ध पदाधिकारियों के विचार सुनने का हमें सुअवसर मिलेगा। इस सुखद एवं ऐतिहासिक पल का हम समस्त शेखावाटी वासी बड़ी उत्सुकता व उमंग से इंतजार कर रहे हैं।

आप सभी से विनम्र निवेदन है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारकर इस समारोह की गरिमा को चार चांद लगायें।

॥ कार्यक्रम ॥

प्रदेशाध्यक्ष मीटिंग 22-6-2024 रात्रि 9 बजे से

महासभा कार्यकारिणी मीटिंग 23-6-2024 सुबह 9.15 बजे से

कार्यक्रम स्थल : संस्कार रिसोर्ट, पिपराली रोड़ सीकर

निवेदक

घनश्याम शर्मा	हरिनारायण जांगिड	बनवारीलाल खण्डेलसर
अध्यक्ष	अध्यक्ष	अध्यक्ष
प्रदेशसभा राजस्थान	जिलासभा सीकर	श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति

सम्पर्क सूत्र

9829052920, 9414466800, 9610678803

हरियाणा प्रदेश के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्षों का शपथ ग्रहण समारोह और त्रैमासिक बैठक का आयोजन 28 अप्रैल को किया गया।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने पुनः दोहराया कि आने वाले महासभा के चुनाव महासभा के पुराने संविधान के अनुसार ही करवाए जायेंगे और 500 रुपए 1100 रुपए और 2100 रुपए या अधिक धन राशि देने वाले सभी महासभा रुपी परिवार के सदस्य वोट देने के अधिकारी होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि दिल्ली में 21 अप्रैल को, दिल्ली प्रदेश सभा के शपथ ग्रहण समारोह में भी मैंने स्पष्ट रूप से कहा था कि महासभा के प्रधान के आगामी चुनाव वर्तमान चुनाव पद्धति के अनुसार ही होंगे और किसी के साथ भी अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

प्रधान रामपाल शर्मा ने यह उदगार अपने संबोधन में मुख्य अतिथि के रूप में, हरियाणा प्रदेश सभा के जिला अध्यक्षों का शपथ ग्रहण समारोह और प्रदेश सभा की त्रैमासिक बैठक को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। इस बैठक का आयोजन श्री विश्वकर्मा मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय काठमण्डी रोहतक में 28 अप्रैल को किया गया था। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज के उत्थान की नई गाथा लिखने में सक्षम हो सकती है और यही कारण है कि वह अपने पिता जी द्वारा दिए गए उत्तम संस्कारों और भगवान के दिए हुए आशीर्वाद और उनकी प्रेरणा के कारण ही प्रधान बनने से पहले भी वह सदैव ही समाज के गरीब बच्चों की फीस और उनको स्कूल ड्रेस उपलब्ध करवाने के कार्य में यथासंभव सहायता करते रहे हैं और यह प्रयास आज भी जारी है।

प्रधान ने कहा कि आधुनिक युग में शिक्षा के महत्त्व को देखते हुए ही महासभा में पहली बार एक राष्ट्रीय शिक्षा कोष का गठन किया है, ताकि इस शिक्षा कोष के माध्यम से समाज के गरीब और प्रतिभाशाली बच्चों की ज्यादा से ज्यादा पढ़ाई में सहायता कर सकें ताकि वह धनाभाव के कारण उनके सपनों को, ग्रहण लगने से बचाया जा सके। सभी नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि जिस आशा और उम्मीद के साथ समाज के लोगों ने आपको यह दायित्व सौपा है उनकी आशा और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करें और समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखें ताकि समाज निरन्तर प्रगति की और अग्रसर हो सके।

दीप प्रज्ज्वलित हरियाणा के प्रभारी फूल कुमार शर्मा द्वारा किया गया और भगवान श्री विश्वकर्मा की आरती और पूजन करके समारोह का श्री गणेश किया गया और नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को शपथ ग्रहण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम जांगिड द्वारा दिलवाई गई और सभी से लोगों के विश्वास पर खरा उतरने और टीम भावना से कार्य करते हुए समाज को आगे ले जाने की अपील की गई।

अति विशिष्ट अतिथि और हरियाणा श्रमिक कल्याण बोर्ड के चेयरमैन नरेश जांगिड ने अपने संबोधन में समाज की एकता और संगठन की वास्तविक ताकत के बल पर ही राजनीति के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध हो सकते हैं और लोकतंत्र में संगठन ही सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आह्वान किया कि समाज

के आर्थिक रूप से कमजोर समाज बंधुओं की यथासंभव सहायता प्रदान करें और उनको आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द तथा एकता ही वह मूल मंत्र जिसके बल पर राजनैतिक ताकत हासिल की जा सकती है।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश सभा के अध्यक्ष खुशी राम जांगिड ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सभा द्वारा समाज के कल्याण के लिए पास किए गए प्रस्तावों, गरीब बीपीएल परिवार के बच्चों का एमबीबीएस और आईआईटी में एडमिशन होने पर फीस में प्रदेश सभा की ओर से एकमुश्त 50000 रुपए की आर्थिक मदद देने के साथ साथ ही समाज की आर्थिक रूप से कमजोर गरीब विधवा की लड़की की शादी में प्रदेश सभा द्वारा 11000 रुपए का कन्यादान देने का निर्णय लिया गया है।

प्रदेश सभा अध्यक्ष ने कहा कि फिजूल खर्ची पर अंकुश लगाने के लिए तथा समाजहित को ध्यान में रखते हुए ही, मृत्यु भोज का आयोजन न करके, उस पैसे का सदुपयोग स्कूल में एक कमरा बनवाने जैसे सामाजिक कार्यो को करने के बारे में सुझाव भी दिया गया। इसके साथ ही उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों से विनम्र अनुरोध किया कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए जो भी महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही उन सभी योजनाओं का लाभ, समाज के गरीब परिवारों तक पहुंचाने में उनकी हर संभव सहायता करें। प्रदेश अध्यक्ष ने इस समारोह के आयोजक रोहतक के जिला अध्यक्ष श्याम सुंदर जांगिड एवं देवेंद्र कुमार जांगिड तथा उनकी टीम का हृदय की गहराइयों से बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया गया।

इस अवसर पर महेंद्रगढ़ के जिला अध्यक्ष अशोक पैकन, फरीदाबाद के जिला अध्यक्ष चरणपाल जांगिड, फतेहाबाद के जिला अध्यक्ष राजेश कुमार जांगिड ने, भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सभी सम्मानित अतिथियो को प्रदेश सभा की ओर से शॉल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया जिनमें सभी जिला अध्यक्षों, पूर्व जिला अध्यक्षों एवं गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। मंच का संचालन प्रदेश सभा के महासचिव विजय कुमार जांगिड ने बड़े ही बेहतरीन और प्रशंसनीय तरीके से किया।

इस समारोह की शोभा को अपनी उपस्थिति के माध्यम से द्विगुणित करने वाले गणमान्य लोगों में महासभा के पूर्व महामंत्री अनिल एस जांगिड, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महावीर डेरोलिया पूर्व प्रदेश, रेवाड़ी के जिला अध्यक्ष कैलाश चंद्र जांगिड, गुड़गांव के जिला अध्यक्ष सत्यनारायण जांगिड, हिसार के जिला अध्यक्ष उदय सिंह जांगिड, चरखी दादरी के जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह जांगिड, भिवानी के जिला अध्यक्ष राजेश जांगिड, सोनीपत के जिला अध्यक्ष श्याम लाल जांगिड, सिरसा के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सुथार, करनाल के जिला अध्यक्ष अजीत कुमार जांगिड, झज्जर के जिला अध्यक्ष प्रवीण जांगिड, जींद के जिला अध्यक्ष जोगिंदर सिंह जांगिड, कैथल के जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह जांगिड, पलवल के जिला अध्यक्ष ज्ञानचंद शर्मा, नूहं मेवात के जिला अध्यक्ष मास्टर लालाराम जांगिड, पंचकूला की जिला अध्यक्ष एडवोकेट मोनिका जांगिड व कुरुक्षेत्र के जिला अध्यक्ष रामनिवास जांगिड शामिल हैं।

हरियाणा प्रदेश सभा के अध्यक्ष खुशी राम जांगिड
और सह सचिव देवेन्द्र कुमार जांगिड,
महासभा के प्रवक्ता धीरज शर्मा, रेवाड़ी

*****

मनुष्य के लिए जीवन में धन, मान और ज्ञान का सर्वाधिक संग्रह दुखदाई होता है।

मनुष्य जीवन में यह एक आम धारणा परिव्याप्त है कि वह व्यक्ति सर्वाधिक सफल माना जाता है जो धनवान हो, जिसका समाज में मान और सम्मान हो और इसके साथ ही उसे प्रत्येक विषय के बारे में सम्यक ज्ञान और समुचित जानकारी हो, लेकिन इसके विपरित अगर धन, मान और ज्ञान का अति संग्रह करने वाला। व्यक्ति सदा ही दुःखी रहता है। यह बात मैं नहीं कहता हूं अपितु संत महात्मा और वेद, पुराण और शास्त्र कहते हैं कि जीवन धन उतना ही चाहिए, जिससे जीवन की सभी आवश्यक जरूरतें आसानी से पूरी हो जाए और अतिथी सत्कार में भी कोई भी कमी न रहने पाए।

इसी प्रकार जीवन में मान - सम्मान लेते रहो लेते रहो और लेते रहो, लेकिन उसे वापस न लौटाने की प्रवृत्ति होना भी जीवन में मानव दुःखो का सबसे बड़ा कारण बन जाता है और ऐसा प्रायः पहुंचे हुए गुरुजनों और सन्त महात्माओं और ऋषि मुनियों के प्रवचनों से परिलक्षित होता है और इसके साथ ही हमारे वेदों और शास्त्रों में भी ऐसा ही उल्लेख किया गया है और इनका अध्ययन करने से यह धारणा स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है।

इसके साथ ही ज्ञान के बारे में भी उल्लेख किया गया है और ज्ञान के बारे में एक चीज का विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और वह यह है कि ज्ञान की ज्योति को छुपाकर रखना भी पाप के समान ही माना गया है और इसका प्रमुख कारण यह है कि ज्ञान माँ सरस्वती का दिया हुआ वह कृपा रुपी प्रसाद है जो कठिन उपासना के उपरांत बड़ी मुश्किल से सौभाग्यशाली को ही मिलता है । ऐसी आम धारणा है कि धन, मान सम्मान और ज्ञान इन तीनो को बाटने अथवा इनका प्रचार-प्रसार करने से ही मनुष्य सुख, ऐश्वर्य, और वैभव का अधिकारी बनता है न की वह निर्धन, कंजूस व अज्ञानी बनता है बल्कि वह वैभवशाली समाज का चहेता व्यक्ति या इस प्रकार कहें कि वह भामाशाह बनता है और इतना ही नहीं ईश्वर भी उसकी सहायता करते है और धन प्राप्ति के मार्ग भी खुलते है और ऐसा व्यक्ति स्वाभाविक रूप से ईश्वर का प्रिय होता है।

इसीलिए कहा गया है कि धन, मान व ज्ञान बांटने से निरन्तर बढ़ते ही रहते हैं और कभी भी घटते नहीं हैं और जिस दिन मनुष्य को यह बात अच्छी तरह समझ में आ गई तो मनुष्य का जीवन सार्थक और साकारात्मक हो जाता है। समाज के प्रबुद्ध ज्ञानी लोगों की यही धारणा है और वास्तविक रूप में यही जीवन जीने की उत्कृष्ट कला है। अति सर्व वर्जतू खाने में मिर्ची नमक हल्दी का प्रमाण ही बता देता है की किस वस्तु की मात्रा कितनी होनी चाहिए तब जाकर भोजन स्वादिष्ट बनता है और ठीक इसी तरह जीवन की यात्रा भी सुखमय बनानी है तो प्रबुद्ध ज्ञानियों की संगत करने से यह बात निश्चित रूप से समझ में जरुर आ जाती है, **''जैसी संगत वैसी रंगत''** यह होता है संगत का फल, धन से निर्धन की सहायता करना, मान-सम्मान मिलता है, तो सामने वाले को फिर से अवसर पाकर उसका उसी भावना से मान सम्मान और आदर सत्कार करते हुए लौटाना चाहिए। इसी धारणा के अन्तर्गत ज्ञान का, समाज में फैलाव करना भी एक प्रकार से समाज सेवा ही कहलाती है जो नित्य प्रतिदिन इसका प्रचार-प्रसार समाज में होना चाहिए।

एक आम धारणा यह है कि अति संग्रह से मनुष्य का जीवन और अधिक पाने की लालसा में निरन्तर लगा रहता है और अन्त के बारे में सोचकर वह निराश हो जाता है और उसके मन-मस्तिष्क में उदासीनता आने लगती है और उसका मन, ऊब जाता है और वह मान-भान भूल जाता है व शून्य विचार धारा के वशीभूत होकर उसके बहाव में बह जाता है और इसके साथ ही ज्ञान केन्द्र की कोशिकाएं भी काम करना बंद कर देती

है व वैफल्यग्रस्त मानसिकता (घमंड) का साम्राज्य स्थापित हो जाने के कारण सामने आए व्यक्ति को तुच्छ समझने की भूल कर बैठता है और उसके पश्चात वह समाज में अपना स्थान बनाने से वंचित रह जाता है।

ऐसे दिग्भ्रमित व्यक्ति को यह बात देर से समझ में आती है और तब तक काफी देर हो चुकी होती है और फिर उसे मानसिक तनाव की जिन्दगी में जीवन व्यतीत करना पड़ता है। इसलिए यह जरूरी है कि समय रहते सभी काम सही और समुचित तरीके से करना ही वास्तविक रूप में समझदारी कहलाती है। संतवाणी में सन्त कबीर दास ने लिखा है कि कि **''साई इतना दीजिए जा में कुटुम्ब समाय, मैं भी भुखा न रहूं और सन्त भी भुखा ना जाए''** यह वास्तव में एक व्यक्ति की समझ पर निर्भर करता है कि और समझ की बात है और और हर बात की एक बात यह है कि हर चीज या वस्तु का प्रमाण के साथ मात्रा कितनी होनी चाहिए यह निश्चित है? हमारे वेदों और पुराणों तथा उपनिषदों और शास्त्रों में वर्णित है और सन्त-महात्माओं ने भी बतलाया है कि कोई विरले पुरुष ही ऐसे हैं जो परम सन्तोष का मूल मंत्र आत्मसात करते हुए इस पर आचरण करते हैं लेकिन अधिकांश लोग तो रुपए और सम्पत्ति बटोरने में लगे हुए हैं और उनका मानना है कि **''रुपया थारा तीन नाम''** रुपाराम, रुपाराम जी और पदवी धारक समाजिक धारणा श्रीमान रुपाराम जी सा कहकर सम्बोधित करने की प्रथा भी समाज में परिव्याप्त है और यह धन के आधार पर अलग अलग श्रेणी में बांट रखा है, यह प्रथा प्रचलित है पर वास्तविकता यह है कि समाज जाजम पर यह श्रेणियां काम नहीं करती हैं अपितु सर्व जन जन समान अधिकार प्राप्त है। यह रीति प्राचीन वैदिक काळ से चली आ रही है और यह उसी रीति रिवाज का प्रभाव ही है। लेकिन अब इस कलियुग में बदलाव देखने को मिल रहा है जो निश्चित रूप से ही दुखदाई है, भेद भाव की दुनिया का साम्राज्य का प्रचार आजकल जोरों पर है और मान सम्मान केवल उसी को ही मिलता है, जो अपना प्रभाव छोड़ता है, जबकि मान-सम्मान पर सबका एक समान अधिकार होना चाहिए।

इसीलिए कहा गया है कि धन, मान और ज्ञान का अति संग्रह दुखदाई कहलाता है, जैसे नमक मिर्ची का भोजन में अति अधिक स्वाद को खराब कर देता है और वही नियम इन तीन चीजों के अति संग्रह करने वाले के लिए भी लागू होता है और यह बात शास्त्र सम्मत है कि किसी भी चीज का अति संग्रह किसी को भी दु:खी कर सकता है। वास्तव में परोपकार ही जीवन जीने की एक विशिष्ट कला है और इसका कारण यह है कि एक परोपकारी व्यक्ति किसी भी प्रकार का संग्रह करने के पक्षधर नहीं हो सकता है। यही साफ सुथरा प्रकृति या ईश्वरीय विधान का नियम है कि इस संसार में भौतिक संसाधनों का प्रभाव धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है और इन वस्तुओं के समाप्त होते ही सुख का प्रमाण कम हो जाता है, इस भौतिक संसार में सभी रिश्ते नाते आध्यमतिकता के दृष्टिकोण से सब काल्पनिक है व अल्प कालीन है और तद्पश्चात हर जीव स्वतंत्र है। वेदों और पुराणों में आत्मा को अमर बताया गया है । संसारिक वैभव प्राप्ति के लिए परोपकार ही एक सर्वश्रेष्ठ मार्ग है। जीवन में मिले कृपा प्रसाद का व्यय उचित जगह पर हो, लोक हित में हो यही ध्यान देकर परोपकार की भूमिका निभानी ही समझदारी होगी और सच्चा सुख और आनंद हासिल करना चाहते हो तो यह असीम आनन्द प्रभु भक्ति में है, न की भौतिक वस्तुओं के उपभोग में मिलता है।

ज्यादा मात्रा में किया गया भोजन पेट के पाचनतंत्र को बिगाड़ कर रख देता है वैसे ही किसी वस्तु का अति संग्रह दु:खों का कारण बन जाता है,

इसलिए कहते है कि..... 'अति सर्व वर्जतू'

********* **दुलीचंद जांगिड, सतारा महाराष्ट्र।**

'परोपकार (पर–सेवा)'

परोपकार–स्वार्य से दूर, किन्तु दूसरों के हित में किया गया कार्य हो परोपकार है। किसी के उपकार के बोझ तले दबकर बदले में किया गया उपकार प्रत्युपकार है, परोपकार नहीं। परोपकार ऐसा होना चाहिए जैसा शिव ने विश्व के हित में विषपान करके किया, बिना किसी स्वार्थ के परोपकार, ऐसा जैसा प्रकृति करती है–जैसे कि सूर्य पूरे विश्व को गर्मी, प्रकाश एवं जीवन देता है। चन्द्रमा ठण्डक एवं अमृत की वर्षा करता है, वक्षों से हमें अनाज, फल एवं अन्य खाद्य पदार्थों के आलावा शुद्ध वायु से हमें प्राण मिलता है एवं नदियों से जल।

सेवा–या परोपकार के लिए जरूरी है– श्रद्धा एवं स्नेह, क्योंकि इससे ही सेवा को नारायण–सेवा की भावना से करने से व्यक्ति का अहंकार मिट जाता है एवं मनुष्य को कष्ट में डालकर भी दूसरों को सुख पहुंचाने का प्रयत्न करता है। सेवा करने वाले मनुष्य अर्थात् सेवक की मानसिक मुख एवं शान्ति की अनुभूति होती है। स्वामी का दुःख संवक का दुःख है। जब ऐसी भावना आ जाती है, तभी सेवक अपने स्वामी की निष्काम भाव से सेवा कर सकता है। जैसे कि हनुमान, केवट, भरत एवं लक्ष्मण ने किया वृन्द कवि के शब्दों में इस प्रकार से हे –

सेवक सोई जानिये रहे विपत्ति के संग।
तन छाया ज्यों धूप में रहे साथ एक संग।।

आज के भारत में परोपकार के अर्थ ही बदल गये है। प्राचीन काल में सेवा या परोपकार की भावना के तहत ही राजा एवं सेठ लोग धर्मशाला, चिकित्सालय, विद्यालय, अनाथालय, कुँआ, बावड़ी इत्यादि खुलवाते थे और प्याऊ भी लगवाते थे पर आजकल या तो लोग धर्मार्थ कार्य करते ही नहीं या अगर करते भी है तो धन, नाम, प्रचार और सम्मान के स्वार्थ में। स्वार्थ रहित सेवा न होने के कारण ही कर्म फल–सिद्धान्त के अनुसार अच्छे कर्मो का अच्छा फल नही मिल पाता एवं इसलिए ससार में हर इंसान दुःखी है, मानसिक एवं शरीरिक कष्टों से पीड़ित है, उसे न तो सुख मिल रहा है न आत्म सन्तोष एवं वह स्वयं को ईश कृपा से वंचित महसूस करता है। अतः आज समय की आवश्यकता है कि हर मानव फिर से सेवा (परोपकार) के सही अर्थ को समझे एवं अपनी संस्कृति, सभ्यता एवं परम्पराओं की रक्षा करते हुए एवं दीनों की सेवा को ही ईश्वर सेवा समझते हुए सेवा धर्म अपनाये।

सेवा करने की योग्यता सब में नहीं होती। प्रेम की योग्यता सबमें हो सकती है, पर सेवा की शक्ति किसी किसी के पास ही होती है। विनोबा जी ने कहा है कि सेवा करने की योग्यता दण्ड नहीं आशिर्वाद माना जाता है। सेवा धर्म आसान नहीं है वह तो तलवार की धार पर चलने के समान है। जब यही सेवा कई व्यक्तियों या पूरे समाज के हित में की जाये, समाज सेवा पूरे देश के हित में एवं पूरे विश्व के हित में की जाये तो विश्व सेवा कहलाती है। सेवा मार्ग भक्ति मार्ग से भी ऊँचा है। गौतम बुद्ध ने कहा था कि जिसको मेरी सेवा करनी है यह पीड़ितों की सेवा करें। भगवान को भी वे लोग ही प्रिय है, जो जरूरतमन्दों को सेवा करते है। भगवान का तो नाम ही दीनबन्धु एवं दीनदयाल है। भगवान से भी यही प्रार्थना करें–

वह शक्ति हमें दो दयानिधे, कर्त्तव्य मार्ग पर डट जायें।
पर सेवा पर उपकार में हम, जग जीवन सफल बना जायें।।

अर्थात हे भगवान हमें वह शक्ति दे जिससे हम कर्तव्य मार्ग पर लगे रहे, और दूसरों की सेवा में लगे रहकर संसार में अपने जीवन को भी सफल बनायें। जो परोपकार करते हैं ऐसे मनुष्यों की रक्षा निश्चित हमेशा लोक कल्याण में निरन्तर लगे रहना चाहिए।

प्रभुदयाल शर्मा पूर्व सम्पादक महासभा

समाज की प्रगति

समाज की प्रगति कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर निर्भर करती है, जिनमें से प्रत्येक का योगदान समाज के समग्र विकास में होता है। यहां कुछ प्रमुख कारक दिए जा रहे हैं।

शिक्षाः

सर्वव्यापी शिक्षा:– शिक्षा के बिना समाज का विकास संभव नहीं है। एक साक्षर समाज न केवल तकनीकी और वैज्ञानिक उन्नति कर सकता है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति भी कर सकता है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा: शिक्षा की गुणवत्ता भी महत्वपूर्ण है। बेहतर शिक्षक, आधुनिक पाठ्यक्रम और सुविधाएं शिक्षा को प्रभावी बनाती हैं।

आर्थिक विकास:

रोजगार के अवसर: आर्थिक स्थिरता और विकास के लिए रोजगार के अवसरों का होना जरूरी है। उद्योग, व्यापार और सेवा क्षेत्रों में नौकरियां समाज के विकास में योगदान देती हैं।

आर्थिक नीतियां: सरकारी आर्थिक नीतियां, जैसे कि टैक्सेशन, निवेश और व्यापार नीतियां भी समाज की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण होती हैं।

प्रौद्योगिकी और नवाचार:

तकनीकी उन्नति: नई तकनीकों का विकास और उनके उपयोग से समाज की प्रगति होती है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, चिकित्सा प्रौद्योगिकी, और अन्य तकनीकी नवाचार समाज को आगे बढ़ाते हैं।

अनुसंधान और विकास: इस क्षेत्र में निवेश से नए उत्पाद, सेवाएं और समाधान उत्पन्न होते हैं।

समाजिक और सांस्कृतिक विकास:

सामाजिक न्याय: समानता, स्वतंत्रता, और सामाजिक न्याय एक स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक हैं। जाति, धर्म, लिंग, और अन्य भेदभावों का उन्मूलन जरूरी है।

सांस्कृतिक समृद्धि: एक समाज की सांस्कृतिक धरोहर और विविधता भी उसकी प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कला, संगीत, साहित्य, और परंपराओं का संरक्षण और विकास समाज को समृद्ध बनाते हैं।

सुरक्षा और स्थिरता:

कानून और व्यवस्था: कानून का पालन और न्याय व्यवस्था की प्रभावशीलता समाज में शांति और स्थिरता लाती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा: बाहरी खतरों से समाज की रक्षा करना भी आवश्यक है ताकि सामाजिक और आर्थिक गतिविधियाँ बिना किसी बाधा के जारी रह सकें।

सक्रिय नागरिक भागीदारी:

नागरिक समाज: एक जागरूक और सक्रिय नागरिक समाज लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। नागरिकों की भागीदारी से सरकार की जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ती है।

स्वयंसेवी संगठन: गैर–सरकारी संगठनों और स्वयंसेवी संगठनों का योगदान भी समाज की प्रगति में अहम होता है।

समाज की प्रगति इन सभी पहलुओं के सामूहिक और संतुलित विकास पर निर्भर करती है। जब ये सभी तत्व साथ मिलकर काम करते हैं, तब ही एक समाज सही मायनों में प्रगति कर सकता है।

चन्दन प्रकाश, महासभा

महाप्रबंधक हरियाणा राज्य परिवहन कुलदीप जांगिड का 5 मई को अभिनंदन समारोह आयोजित।

जांगिड समाज के लोगों ने अपने परिश्रम मेहनत और ईमानदारी से कार्य करते हुए समाज का नाम गौरवान्वित किया है और आज तकनीकी युग में इस समाज के लोगों को भगवान श्री विश्वकर्माजी का आशीर्वाद प्राप्त है। इसीलिए इस समाज के युवा शिल्प कला के साथ-साथ तकनीकी क्षेत्र में भी देश में अपना परचम लहरा रहे हैं।

यह उदगार हरियाणा राज्य परिवहन पानीपत के महाप्रबंधक और मुख्य अतिथि, कुलदीप जांगिड ने 5 मई को अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा जिला सभा पानीपत के जिला अध्यक्ष सतबीर सिंह जांगिड एवं उसकी कार्यकारिणी के भव्य शपथ ग्रहण एवं उनके अभिनंदन के लिए आयोजित एक समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि कुलदीप जांगिड ने पानीपत के जांगिड समाज के लोगों का आह्वान किया कि अगली बार जब भी कोई शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाए वह रोड़ धर्मशाला में नहीं अपितु अपने समाज की धर्मशाला में आयोजित किया जाए। जैसे कि हिसार और अन्य जिलों में जांगिड समाज की धर्मशालाएं बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि मैं हिसार जिले में एक छोटे से गांव में एक सामान्य परिवार में पैदा हुआ और अपनी प्रतिभा और योग्यता के बल पर ही पहले प्राईवेट क्षेत्र में नौकरी की और उसके पश्चात प्रतिस्पर्धा के माध्यम से हरियाणा रोडवेज में अपनी प्रतिभा के बल पर इस प्रतिष्ठित पद पर कार्यरत हूं।

उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को शिक्षित बनाए और योग्य होने से वह अपना रास्ता और अपना कैरियर खुद ही बना सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि जैन समाज द्वारा उसके युवाओं को केंद्रीय लोक सेवा आयोग जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए एक जीतू नाम की संस्था का गठन किया गया है, जहां पर जैन समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को मुफ्त में प्रशिक्षण देने के साथ ही रहने और खाने की व्यवस्था भी फ्री में की जाती है और यही कारण है कि जैन समाज के बहुत बच्चे प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल करके अपने समाज का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं और जांगिड-सुथार समाज को मिलकर महासभा के मुण्डका में बनाए जा रहे भवन में इस प्रकार की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि समाज के अधिक से अधिक बच्चे इन प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करते हुए समाज का परचम लहरा सकें।

हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष खुशीराम जांगिड ने जिला अध्यक्ष सतबीर धामू और उसकी कार्यकारिणी को शपथ दिलवाई और उसकी टीम को बधाई देते हुए महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और दिल्ली प्रदेश सभा के अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा से आग्रह किया कि समाज के जो युवा केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए दिल्ली में कोचिंग सेंटर की व्यवस्था करने के साथ-साथ ही उनके रहने की भी समुचित व्यवस्था की जाए ताकि समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चे समाज द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का लाभ उठा कर अधिक से अधिक संख्या में आई ए एस, आई पी एस और आई आर एस सहित अन्य केन्द्रीय सेवाओं में उच्च पदों पर शोभायमान होकर समाज की सेवा कर सके।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सभा ने निर्णय लिया है कि समाज के बी पी एल परिवारों के बच्चों का दाखिला एम बी बी एस और आई आई टी में दाखिला होगा उन बच्चों को प्रदेश सभा द्वारा 50000 रुपए की राशि एक मुश्त प्रदान की जाएगी और समाज की गरीब विधवा की कन्या की शादी पर प्रदेश सभा द्वारा 11000 रुपए की सहायता दी जाएगी। उन्होंने जिला अध्यक्ष सतबीर धामू का प्रदेश सभा और जिला अध्यक्षों को मान सम्मान देने के लिए आभार जताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कैथल के ठेकेदार राम कुमार जांगिड ने करते हुए जिला अध्यक्ष सतबीर धामू की टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह कार्यकारिणी लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरेगी और अपने दायित्व का भली भांति निर्वहन करेगी।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने भी जिला अध्यक्ष सतबीर धामू और उसकी कार्यकारिणी को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि जिस उद्देश्य के लिए इस कार्यकारिणी का गठन किया गया है वह अपने दायित्व का भली भांति निर्वहन करते हुए समाज हित को सर्वोपरि समझते हुए समाज की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान देगी।

इस कार्यक्रम में सोनीपत के जिला अध्यक्ष सोनीपत श्याम लाल जांगिड, कुरुक्षेत्र के जिला अध्यक्ष रामनिवास जांगिड, जींद के जिला अध्यक्ष जोगेंद्र जांगिड के अतिरिक्त अनेक सामाजिक संस्थाओं के अध्यक्षों व पानीपत के आसपास के प्रतिष्ठित सामाजिक बन्धु गण, मातृशक्ति और युवाओं ने भारी संख्या में भाग लिया।

इस अवसर पर पानीपत के जिला अध्यक्ष व उनकी कार्यकारिणी ने हरियाणा प्रदेश सभा की ओर भाग लेने वाले कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद जांगिड, हरियाणा प्रदेश सभा के युवा विंग के अध्यक्ष विनोद कुमार जांगिड, सह कोषाध्यक्ष अशोक जांगिड, वरिष्ठ उपप्रधान सत्येंद्र जांगिड वरिष्ठ उप उप प्रधान मूलचंद जांगिड और हरियाणा प्रदेश सभा के महासचिव विजय कुमार जांगिड का फूल मालाओं साथ स्वागत किया और प्रतीक के रूप में उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया ।

हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड

*****

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला, (इन्दौर)

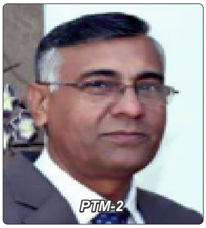

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स, दिल्ली

श्री अशोक कुमार बरनेला, इन्दौर

श्री पी.एल.शास्त्री, गुड़गांव

श्री देबूराम जांगिड, दिल्ली

श्री रामनिवास शर्मा, दिल्ली

श्री राजेन्द्र शर्मा, इन्दौर

श्री निर्मल कुमार जांगिड, इन्दौर

श्री लीलू राम शर्मा, दिल्ली

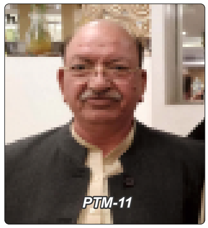

श्री रमेशचन्द शर्मा 'सरपंच', दिल्ली

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली

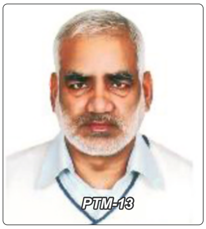

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली

श्री श्रीगोपाल चोयल, अजमेर

श्री कृष्ण कुमार शर्मा, मुम्बई

श्री विद्यासागर जांगिड, गुड़गांव

श्री सुशील कुमार शर्मा, कोलकता

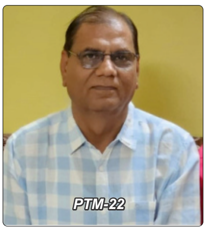

श्री सांवरमल जांगिड, सीकर

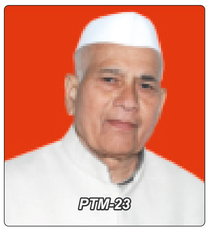

श्री रघुवीर सिंह आर्य, शामली

श्री वेदप्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री प्रभुदयाल शर्मा, देवास

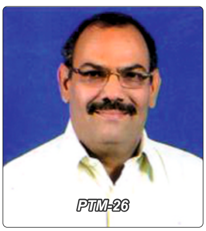

श्री प्रहलादराय शर्मा, इन्दौर

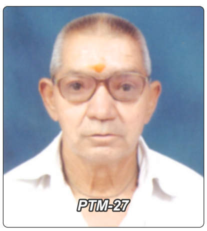

श्री मोहनलाल जांगिड, जोधपुर

श्री पूनाराम जांगिड, जोधपुर

श्री ललित जड़वाल, अजमेर

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

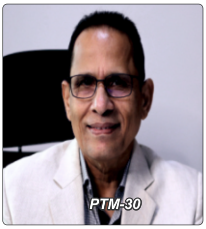

श्री मीता राम जांगिड, मुम्बई

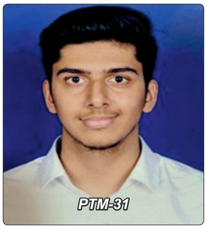

श्री यश अजय शर्मा, मुम्बई

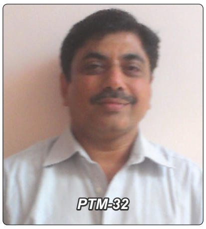

श्री रविन्द्र शर्मा, बीकानेर

श्री जवाहरलाल जांगिड, उज्जैन

श्री नरेश जांगिड, गुड़गांव

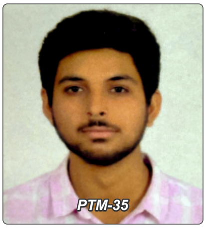

श्री भुवन जांगिड, गुड़गांव

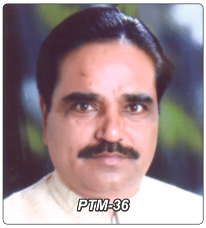

श्री कृष्ण कुमार जांगिड, गुड़गांव

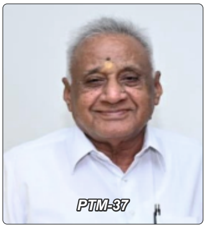

श्री किशन लाल शर्मा, नागपुर

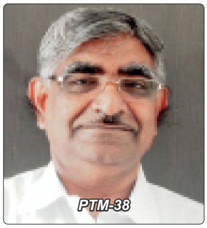

श्री गिरधारी लाल जांगिड, बैंगलुरू

श्री किशोर जी मोखा, नागपुर

श्री बाबू लाल शर्मा, अहमदाबाद

श्री नारायण दत्त, साड़ीवाले, दिल्ली

श्री ओमप्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री धनपत शर्मा, फरीदाबाद

श्री सुरेन्द्र शर्मा, अहमदाबाद

श्री सत्यनारायण शर्मा, दिल्ली

श्री सोमदत्त शर्मा, दिल्ली

श्री बी.सी. शर्मा, जयपुर

श्री सुरेश शर्मा, नीमच

श्री नितिन शर्मा, इन्दौर

श्री प्रमोद कुमार जांगिड, सूरत

श्री हुकुमचन्द जांगिड, हर्षवाल,इन्दौर

श्री सत्यनारायण जांगिड, इन्दौर

श्री अशोक कुमार मोखा, नागपुर

श्री घनश्याम जांगिड, बैंगलुरू

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

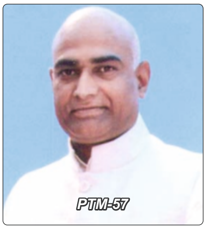

श्री देवमणि जांगिड, दिल्ली

श्री फूल कुमार शर्मा, द्वारका-दिल्ली

श्री अमरा राम जांगिड, जोधपुर

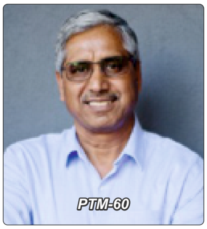

श्री रमेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री रविशंकर शर्मा, जयपुर

श्री कांति प्रसाद जांगिड, दिल्ली

श्री यादराम जांगिड, दिल्ली

श्री बाबू लाल, बैंगलुरू

श्री अशोक दत्ता राम, अहमदाबाद

श्री दयानन्द शर्मा, दिल्ली

श्री यशवंत नेपालिया, अजमेर

श्री राधेश्याम शर्मा, वापी

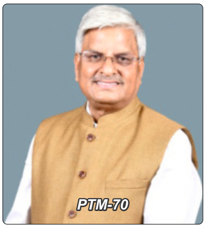

श्री रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

श्री गोपाल शर्मा, कोरबा

श्री भंवर लाल कुलरिया, मुम्बई

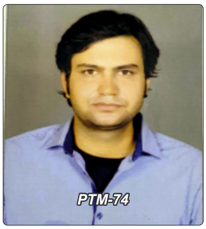

श्री अमित कुमार शर्मा, जयपुर

श्री नरेश चन्द्र शर्मा, बैंगलुरू

श्री भीमराज शर्मा, जयपुर

श्री रवि जांगिड, बैंगलुरू

श्री भंवरलाल सुथार, गोवा

श्री रामनिवास शर्मा, भिलाई

श्री शुभम शर्मा, कोरबा

श्री नानूराम जांगिड, धुलिया

श्री प्रहलाद शर्मा, जयपुर

श्री रीछपाल शर्मा, बिलासपुर, छ.ग.

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

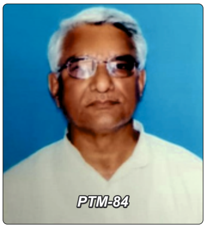

श्री धर्मचन्द शर्मा, बस्तर

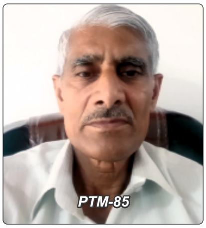

श्री राधेश्याम जांगिड, रेनवाल

श्री कन्हैया लाल खाती, अजमेर

श्री कन्हैया लाल सिलक, अजमेर

श्री अनिल शर्मा, इन्दौर

श्री धन सिंह जांगिड, फरीदाबाद

श्री लालचन्द जांगिड, नारनौल

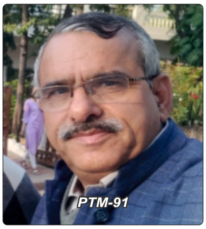

श्री रोहिताश जांगिड, औरंगाबाद

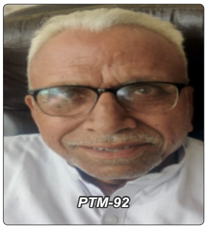

श्री सांवरमल जांगिड, बांसवाडा

श्री महावीर प्रसाद जांगिड,अहमदाबाद

श्री शंकरलाल जांगिड, जयपुर

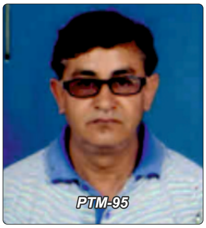

श्री संजय शर्मा, चित्तौड़गढ़

श्री जगतराम जांगिड, बंगलौर

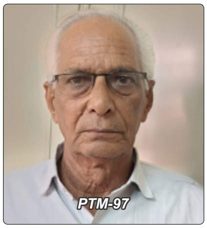

श्री पुरूषोत्तम लाल जांगिड, जयपुर

श्री अनिल शर्मा, चंडीगढ़

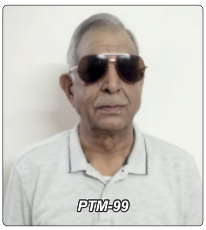

श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड, गुरूग्राम

श्री नेमीचन्द जांगिड, सूरत

श्री चिरंजीलाल जांगिड, इन्दौर

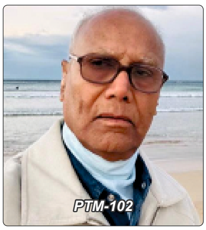

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, सूरत

श्री सत्यपाल वर्त्स, बहादुरगढ़

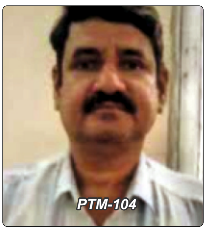

श्री सोमदत्त शर्मा, लखनऊ

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली

महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए आदरणीय समाज बन्धुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में महासभा के प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बनें।

महासभा दिल्ली के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य

श्री मदनलाल जांगिड जोधपुर

श्री मुरारी लाल शर्मा अहमदाबाद

श्री राजतिलक जांगिड गुड़गांव

श्री मनोज कु.जांगिड अहमदाबाद

श्री सुरेश कु.जांगिड इन्दौर

श्री घनश्याम कडवानिया इन्दौर

श्री बंशीलाल शर्मा इन्दौर

श्री सीताराम जांगिड नागपुर

श्री बंशीलाल शर्मा जयपुर

श्रीमती शारदा शर्मा दिल्ली

श्री सांवरमल जांगिड गोवा

श्री रमेशचन्द्र शर्मा इन्दौर

श्री ओमप्रकाश जांगिड अहमदाबाद

श्रीमती सुमित्रा देवी जांगिड अहमदाबाद

श्री मोतीराम जांगिड रींगस-सीकर

श्री प्रेमाराम जांगिड अहमदाबाद,

श्री महेन्द्र जांगिड (पंवार) इन्दौर

समस्त प्रबुद्ध समाज बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बने।

महासभा दिल्ली के पच्चीस हजार रूपये के रजत सदस्य

पं. भीम सिंह , दिल्ली

पं. किशनराम शर्मा, नागपुर

पं. राजेश शर्मा, अहमदाबाद

पं. विजय शर्मा, जोधपुर

पं. भंवरलाल जांगिड, नागपुर

पं. ईश्वर दत्त जांगडा, दिल्ली

पं. रघुनाथ जांगिड, नागपुर

पं. सत्यनारायण जांगिड, नागपुर

पं. बृजमोहन जांगिड, नागपुर

श्रीमती शान्ति शर्मा, कोटा

पं. चौथमल जांगिड, रींगस

पं. महेश जे. मोखा, नागपुर

श्री रामदयाल जांगिड, दुर्ग

श्रीमती लीलावती शर्मा, नीमच

श्री निकुंज शर्मा, लखनऊ

श्रीमती निति रसीवाल, लखनऊ

वक्त
बदलता ही इसलिए है ताकि
इस भीड़ में हम अपनों को पहचान सकें।

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

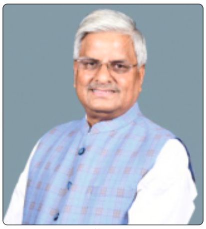

श्री रामपाल शर्मा (बैंगलोर)
1. कुल घोषित राशि 1.25 करोड
2. अब तक जमा राशि
   A स्वयं द्वारा 11+5+5+5+10+5+5=46लाख
   B श्रीमती कृष्णा जी पत्नी 35 लाख
   C श्री दीपक जी पुत्र 10.21 लाख
   D श्री अमित जी पुत्र 10.21 लाख
   E श्री जगमोहन जी पुत्र 10.21 लाख
3. कुल जमा राशि =111.63 लाख
4. कुल देय राशि =13.37 लाख

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला (इन्दौर) पूर्व प्रधान महासभा
10,6,00,000/-

श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा
पत्नी श्री रामपाल शर्मा, बेंगलुरू
35,00,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री भंवर लाल कुलरिया मुम्बई,
31,00,000/-

श्री एकलिंग जांगिड-सूरत
महासभा भवन में लगने वाले सम्पूर्ण ग्रेनाइट आपकी ओर से देने की घोषणा की।

श्री मीता राम जांगिड
मै.सुमित वुड वर्क्स लि.(मुम्बई)
21,00,000/-

प्रमुख स्तंभ समाजसेवी
श्री रमेशचन्द शर्मा सरपंच एवं श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली
11,51000/-

श्री रविशंकर शर्मा, (जयपुर),
पूर्व प्रधान महासभा
11,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली
(सीकर, राजस्थान वाले),
11,00,000/-

श्री लक्ष्मण जांगिड
(मुम्बई)
11,00,000/-

श्री लीलूराम शर्मा
चेयरमैन,जा.ब्रा.शिरोमणी सभा,दिल्ली
घोषित राशि- 11,00,000/-
जमा राशि- 2,50,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड
सीकर वाले (मुम्बई)
घोषित राशि 11,00,000/-
जमा राशि 5,00,000

श्री नवीन जांगिड
(जयपुर)
11,00,000/-

श्री सीताराम शर्मा
(बैंगलोर)
11,00,000/-

श्री दीपक शर्मा
सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा
बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री अमित शर्मा
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा
बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री जगमोहन शर्मा
सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा
बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री अमरा राम जांगिड
दुबई, अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष महासभा, 5,51,000/-

श्री भंवरलाल गुगरिया
(बेंगलुरू)
5,51,000/-

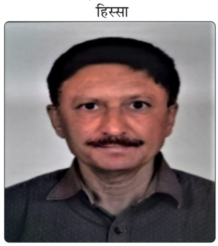

श्री मधुसूदन आमेरिया,
(जयपुर)
5,11,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री पी.एल. शास्त्री,
5,05,551/-
21 स्पिलिट ऐ.सी. मुण्डका महासभा भवन

श्री गिरधारी लाल जांगिड
(बेंगलुरू)
5,01,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा
(अहमदाबाद)
5,00,111/-

श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(मंडावाले)इन्दौर
5,00,000/-

श्री पूनाराम जांगिड(बरनेला)
(जोधपुर)
5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी
श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
5,00000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स जी (पूर्व कोषाध्यक्ष, महासभा)
एवं श्री दिनेश कुमार वत्स जी, (दिल्ली)
5,00000/-

श्री कांति प्रसाद जांगिड
(टाईगर) (दिल्ली)
5,00,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा
(वाराणसी)
5,00,000/-

श्री सुनील कुमार शर्मा
(चित्तौडगढ)
5,00,000/-

श्री प्रमोद जांगिड, श्री रकेश जांगिड,
दिनेश जांगिड एवं रेखा जांगिड,
सम्मिलित रूप से सूरत गुजरात
5,00,000/-

श्री रमेश शर्मा
बेंगलुरू
5,00,000/-

श्री एम.डी.शर्मा
जोधपुर
5,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड
सूरत
5,00,000/-

श्री कैलाश चन्द जांगिड
आया नगर, दिल्ली
5,00,000

श्री अनिल कुमार जांगिड,
आया नगर, दिल्ली
5,00,000/-

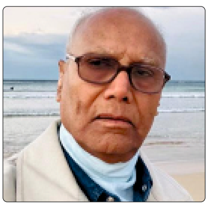

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
सूरत
4,25,000/-

श्रीमती उर्मीला जांगिड
पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण
जांगिड, गुरूग्राम
2,62,111+1,11,111
=3,73,222

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड,
धारूहेड़ा
3,51,000/-

श्री नरेश चन्द्र शर्मा
बेंगलुरू
3,02,000

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री सोमदत्त शर्मा नांगलोई
पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा, दिल्ली
2,52,151/-

श्री सीताराम शर्मा
(पूर्व जिला प्रमुख, करौली),
दिल्ली 2,51,151/-

श्री सुभाष (बोरवेल वाले)
(जयपुर)
2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा
(मुम्बई),
2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड
(मुम्बई),
2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा
(नदबई),
2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा,
दिल्ली (प्रधान शिरोमणी
सभा) 2,51,000/-

सुप्रसिद्ध समाजसेवी
श्री प्रकाश शर्मा, दिल्ली
2,51,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा
(बेंगलुरू)
2,51,000/-

श्री इंदरचंद चांदराम
जांगिड, मुम्बई
2,51,000/-

श्री रवि जांगिड
(बेंगलुरू)
2,51,000/-

श्री अशोक जांगडा
(नजफगढ़, दिल्ली)
2,51,000/-

श्री किशनलाल शर्मा
(रोहिणी, दिल्ली)
2,51,000/-

श्री शंकर लाल धनेरवा
(जयपुर)
2,51,000/-

श्री सुभाषचंद्र जांगिड
(भाईदर(वेस्ट),ठाणे,महाराष्ट्र)
2,51,000/-

श्री रामकरण शर्मा
(फरीदाबाद)
2,51,000/-

श्री टेकचन्द शर्मा,
फरीदाबाद (हरि.)
2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड
(जयपुर),
2,51,000/-

श्री बनवारी लाल
खंडेलसर (सीकर),
2,51,000/-

श्री प्रहलादराय जांगिड
(नांदेड)
2,50,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री प्रभुदयाल शर्मा देवास, (मध्य प्रदेश) 2,50,000/-

श्री संजय हर्षवाल (जयपुर) 2,00,000/-

श्री जगन्नाथ जांगिड, बावल (हरि.) 1,72,000/-

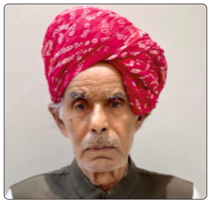

श्री चांदमल बालुराम जांगिड सूरत, राजलोता 1,61,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा अध्यक्ष तदर्थ समिति, दिल्ली 1,53,000/-

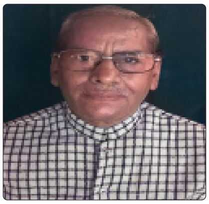

श्री शिव चन्द्र, अटेली मण्डी, नारनौल, महेन्द्रगढ 1,51,555/-

श्री सत्यपाल वत्स, (बहादुरगढ़) 1,51,251/-

श्री देवी सिंह ठेकेदार करावल नगर-उपाध्यक्ष अ.भा.जा.ब्रा.महासभा 1,51,111/-

श्री वेद प्रकाश आर्य सवाई माधोपुर 1,51,001/-

श्री जवाहरलाल जांगिड, उज्जैन (मध्य प्रदेश) 1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा यमुना विहार-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड (नागपुर) 1,51,000/-

श्री श्रीकृष्ण जांगडा रानी खेड़ा, दिल्ली 1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड जी थाने, मुम्बई 1,51,000/-

श्री जयसिंह जांगडा (रिटायर्ड जज)गुरूग्राम 1,51,000/-

श्री विजय प्रकाश शर्मा (द्वारका, दिल्ली) 1,51,000/-

स्व.चांद कौर धर्मपत्नी स्व.श्री नाहनाराम जांगडा जी की स्मृति में एक कमरे के लिए 1,51,000/- का योगदान डॉ.शेरसिंह जांगडा प्र.अ.हरियाणा एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ.शील जांगडा द्वारा प्रदान किया गया

श्री बाबू लाल शर्मा (इन्दौर, मध्य प्रदेश) 1,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया बेंगलूरू 1,51,000/-

श्री वीरेन्द्र शर्मा (शामली) 1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री मोहन लाल जांगिड
प्रदेश अध्यक्ष(गुजरात)
1,51,000/-

श्री अनिल एस.जांगिड
(पूर्व महामंत्री महासभा)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री हरीराम जांगडा
ग्राम कासन
1,51,000/-

श्री राजेन्द्र जांगिड
पटेल नगर, गुड़गांव
1,51,000/-

श्री कृष्ण अवतार जांगिड
ग्राम कासन
1,51,000/-

श्री पन्ना लाल जांगिड
ग्राम कासन
1,51,000/-

मास्टर जगदीश चंद्र जागिड,
श्री ज्ञानचंद जांगिड, ग्राम-कासन
1,51,000/-

श्री हरीश एवं
नरेश दम्मीवाल
(जोधपुर) 1,51,000/-

श्री उमाकांत
धानेरा
1,51,000/-

श्री किशोर कुमार जांगडा
बहादुरगढ
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
पूतली वाले, सागरपुर,दिल्ली
1,51,000/-

श्रीमती दयावंती धर्मपत्नी
श्री रामकिशन शर्मा,(डीसीपी)
द्वारका,दिल्ली 1,51,000/-

श्री बी.सी.शर्मा
जयपुर
1,51,000/-

डॉ. मोतीलाल शर्मा
(वैशाली, जयपुर)
1,51,000/-

श्रीमती शारदा देवी
W/o श्री महेन्द्र सिंह जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्रीमती गीता देवी,
W/o श्री खुशीराम जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्री देवेन्द्र गौतम,
नवादा उत्तम नगर (दिल्ली)
1,51,000/-

श्री मोहनलाल दायमा
नासिक,
1,51,000/-

श्री द्वारका प्रसाद शर्मा
(वापी, गुजरात) 1,51,000/-

श्री चंद्राप्रकाश एवं
गुरूदत्त शर्मा
(गांधीधाम) 1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री दुलीचन्द जांगिड
सवाईं माधोपुर
1,51,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड
पूर्व जिला पार्षद, हिसार,हरि.
1,51,000/-

श्रीमती ब्रह्मो देवी धर्मपत्नी
श्री नाथूराम शर्मा,
दिल्ली 1,51,000/-

श्री कृष्ण कुमार शर्मा
द्वारका, दिल्ली
1,51,000/-

श्री विजय शर्मा
शामली
1,51,000/-

श्री ओमप्रकाश शर्मा
(जी.ओ.जी.मार्बल
जयपुर)

श्री सत्यनारायण शर्मा
पैरामाउंट इंजीनियर्स,गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री नानूराम जांगिड
(धुलिया महाराष्ट्र)
1,51,000/-

श्री तेजस लुंजा
बेंगलूरू
1,50,000/-

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया
(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री राजू जांगडा सुपुत्र
श्री ईश्वर सिंह ठेकेदार(नजफगढ़,
दिल्ली)-1,21,000/-

इंजि. जय इन्द्र शर्मा
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
1,11,121/-

डॉ. शेरसिंह जांगिड
गुड़गांव,(पूर्व.प्र.अ.हरि.)
1,11,111/-

श्री रमेश कुमार
(सोनीपत, हरि.)
1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री संजीव कुमार
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री फूलकुमार जांगडा,
(सोनीपत)
1,11,111/-

श्री जटाशंकर शर्मा
(दमण, वापी)
1,11,111/-

श्री प्रहलाद सहाय शर्मा,
बुलढाणा (महा.)
1,11,100/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य
शामली, (उत्तर प्रदेश)
1,11,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री श्रीचन्द शर्मा
मुल्तान नगर (दिल्ली)
1,11,000/-

श्री अमर सिंह जांगिड
जी, (मुम्बई)
1,11,000/-

श्री बनवारी लाल
जांगिड,
(त्रिनगर, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री कृष्ण कुमार बिजेनिया
(ग्राम ककरौला, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड एवं
श्री हरीशंकर जांगिड,
(जयपुर) 1,11,000/-

श्री सुरेंद्र जांगिड
(दिल्ली)
1,11,000/-

श्री प्रवीण जांगडा
(द्वारका, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री ओम नारायण शर्मा,
साहिबाबाद
1,02,251

श्री ईश्वर दत्त जांगिड
(रोहतक)
1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा
समालखा (पानीपत)
1,01,111/-

श्री बृजमोहन जांगिड
(नागपुर)
1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल
जांगिड (नागपुर)
1,01,101/-

श्री सुनील कुमार जांगिड
खोडा कालोनी- सुप्रसिद्ध
समाजसेवी 1,01,101/-

श्री अतरसिंह काला
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,101/-

सीए अनिल कुमार शर्मा
आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री किशन लाल जांगिड
जयपुर,
1,01,000/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड
श्याम विहार-प्रभारी प्रादेशिक
सभा दिल्ली 1,01,000/-

श्री अशोक कमार शर्मा
(औरंगाबाद)
1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह आर्य
कोंडली-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली
जिलासभा 1,01,000/-

श्री हरिपाल शर्मा
फालना
1,01,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री इन्दरराम तेजाराम जांगिड (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री गंगादीन जांगिड (दिल्ली) 1,01000/-

श्री रमेश चन्द शर्मा (प्रदेशाध्यक्ष-उत्तराखण्ड) 1,01,000/-

श्री जगदीश चन्दर जांगिड (सोनीपत) 1,01,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा (नांगलोई, दिल्ली) 1,01,000/-

श्री प्रमोद कुमार जांगिड (बड़ौत, उ.प्र.) 1,01,000/-

श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री सत्य नारायण जांगिड, मन्दसौर (म.प्र.) 1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड गोरेगांव, (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज ज्योति कॉलोनी-पूर्व महामंत्री अ.भा.जां.ब्रा.महासभा 1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड सोनीपत 1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा (मै.कमल प्रिंटर्स) दिल्ली 1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा ज्योति कालोनी दिल्ली 1,01,000/-

श्रीमती विमला देवी किंजा, श्रीमती रामेश्वरी देवी कालेया, श्री विश्वकर्मा महिला संकीर्तन मंडल, रामगंज, अजमेर एवं कार्यकारिणी 1,00,121/-

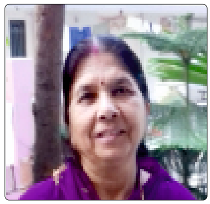
श्रीमती सुमित्रा देवी ओमप्रकाश शर्मा, पूर्व प्रधान म. 1,00,111/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा सागरपुर दिल्ली, 1,00,001/-

श्री ललित जड़वाल (अजमेर) 1,00,000/-

श्री चंपा लाल शर्मा (बुलढाणा) 1,01,100/-

श्री विजय शर्मा (ताबड़ू) 1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा (दिल्ली) 1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड
(गुड़गांव)
1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड
(सिकन्दराबाद)
1,00,000/-

श्री सोमदत्त जांगिड
(नांगलोई, दिल्ली)
1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा
(छतीसगढ़)
1,00,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा
(अहमदाबाद)
1,00,000/-

श्री नानूराम जांगिड
(हिंगोली)
1,00,000/-

श्री गंगा राम जांगिड
(जयपुर)
1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड
(गुड़गांव)
1,00,000/-

श्री रमेश चंद शर्मा
(इंदौर)
1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड
(सिकन्दराबाद)
1,00,000/-

श्री मंगलसैन शर्मा
(बड़ौत, उत्तर प्रदेश)
1,00,000/-

श्री सूरजमल जांगिड
(हिंगोली)
1,00,000/-

श्री बजरंग शर्मा,
दुर्ग (छतीसगढ़)
1,00,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा,
नीमराना
1,00,000/-

जिला सभा
रायपुर,
1,00,000/-

समस्त आदरणीय दानदाताओं से करबद्ध निवेदन है कि आपके द्वारा घोषित की गई राशि को अविलम्ब महासभा के बैंक खाते में जमा करवाने का कष्ट करें, ताकि महासभा का ऐतिहासिक भवन शीघ्र ही समाज को समर्पित किया जा सकें।

प्रधान रामपाल शर्मा

वधु चाहिए

1. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 05.11.1992, Height 5'9", Birth place- Meerut (UP), Education - B.Tech, MBA,Job-Private, **Gotra** : Kaloniya, Ransiwal, Vashisth, Present Address- Lucknow, (UP), Contact- 6394740576, 9454969269

2.Wanted a suitable match for Delhi based J.B. Boy Shubham Sharma,D.O.B- 11.05.1995 at 10.45 am, Najafgarh, Ht-5'11",Education-B.Tech from NSIT, Employed as Class A Gazetted officer in NIC,Self-Kaloniya,Mother- Khandelwal, Grand Mother-katar,Contact Mr. Dalip Singh -9560041890

3.Wanted a suitable match for J.B.Boy D.O.B. 25/03/1989 at 10:08 A.M. Birth Place- Bhiwani Haryana, Ht.-5'10", Education- Graduate, Employed in Delhi Police, **Shasan** Self- Gadhera, **M-** Chichawa, Contact Sh. Prem Singh Jangra,Mob - 9210842732, 7827709136

4.Wanted a suitable match for healthy & Pleasant Personality JB Boy. Yash Sharma ,DOB - 09.06.1998,Birth Place - Palam New Delhi.Height - 6' Ft. Education Qualification - B Tech in Computer Science from NSIT Dwarka, New Delhi. Job - Working in MNC at Gurgaon. Shasan- Self -Musalia,Mother- Kakodia,Grand Mother- Dhama.Priority working Teacher & Height above 5.4".Contact - 8510932077 & 9958328238.

वधु चाहिए

5. Wanted a suitable match for pleasant personality J.B.Boy, D.O.B.-03/03/1998,at 3.00pm, Birth Place- Dahod Gujrat, Ht.-5'8", Education-B.Tech Electrical, M.Tech. IIT Delhi,Job-senior Executive at ONGC Bombay **Shasan**-Self-kachoriya **M-** Aameriya **Dad**i-Gothdiwal **Nani-**Dasodiya Contact-Rajesh Sharma, Baroda Gujrat 09426592410, 09429349340

वर चाहिए

1. Wanted a suitable match for healthy & pleasant personality J.B. girl, D.O.B.- 30/06/1996, Ht.- 5'2", residence in Pragati Nagar, Kotra, Ajmer, Rajasthan, Education- B.Pharma (Hons.) from BITS, Pilani, Rajasthan. worked as a Sr. Content Development Associate in BYJU's Banglore for 4 Years, Currently working as "Content Specialist" in a Pvt Organization in Banglore, **Shasan** Self-Kalonia, **M-** Dayalwal, **GM-** Khandelwal. **Contact-** Dr. Tej Prakash Sharma, 9461413101, 9461413103

ज्ञान और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करती है

"शिक्षा"

यह आपको जीवन में सही और गलत निर्णय लेने मे मदद करती है।

जिला सभा करौली द्वारा आयोजित
आदर्श सामुहिक विवाह में 10 मई को 20 जोड़े प्रणय सूत्र में बंधे।
कैमरे की नजर में एक विहंगम मनोहारी दृश्य।

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

25
YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL SHARMA
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road Call : 9099978327	Satellite Call : 9099978334
Parimal Garden Call : 9099978328	Naroda Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MG
MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Total Page-64
Posted at: L.P.C. DELHI R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26 of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise.

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

सेवा में

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 May 2024
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

प्रेषक
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)